सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 184 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 18 अप्रैल 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़, एक नक्सली ढेर, शव बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर के थाना नैमेड़ क्षेत्रांतर्गत कैंप रेड्डी से डीआरजी की टीम नक्सल गश्त सर्चिंग पर रवाना हुई थी। मंगलवार सुबह आठ बजे के आसपास ग्राम कचिलवार में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में पुलिस के किसी भी जवान को कोई नुक्सान नहीं पहुंचा है। जवानों के द्वारा घेराबंदी मौके से दो नक्सलियों को पकड़ने में सफलता मिली है। एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने इस घटना की पुष्टि की है।

एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि इसमें एक नक्सली का शव बरामद हुआ है। इस मुठभेड़ में एक नक्सली घायल अवस्था में पकड़ा गया है। घटनास्थल से भारी मात्रा में नक्सलियों ने दैनिक उपयोग के सामान छोड़कर भाग गए। घटनास्थल घने जंगलों व पहाड़ी पर होने के कारण जवानों द्वारा सर्चिंग जारी है। एएसपी का कहना है कि जवानों के लौटने के बाद ही विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

नारायणपुर में नक्सलियों की साजिश नाकाम, आइईडी बरामद

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को एक आइईडी बरामद करने के बाद सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। पुलिस ने कहा कि नारायणपुर के छोटेडोंगर थाना अंतर्गत ग्राम राजपुर के जंगल में जवानों ने इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) बरामद किया है, जिसके बाद बड़ा हादसा टल गया है।

नारायणपुर पुलिस ने पुष्टि करते हुए कहा, आज छोटेडोंगर थाना के ग्राम राजपुर इलाके में सुरक्षा बलों को पांच किलो के एक आइईडी के बारे में पता चला। इसके बाद आाईडी को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। मौके पर पहुंची बम निरोधक दस्ते की टीम ने सुरक्षित तरीके से आइईडी को निष्क्रिय कर दिया गया। पिछले 24 घंटों में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में तीन आइईडी का पता लगाया है। एक आइईडी दंतेवाड़ा, दूसरा आइईडी बीजापुर और तीसरा नारायणपुर में पाए गए। बाद में दोनों आइईडी को निष्क्रिय कर दिया गया इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और नक्सल प्रभावित इलाकों में सर्चिंग तेज कर दी गई है।

डीएसपी के बारहवें बैच के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कहा-

माटी का कर्ज चुकाने पुलिस में भर्ती होते हैं युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीक्षांत एक पुलिस अधिकारी के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण होता है, प्रशिक्षण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, इस अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान हर दिन आपने कुछ न कुछ नया सीखा है। आपने पुलिस विभाग को सेवा के लिए चुना है, यह सराहनीय है। उक्त बातें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणरत डीएसपी के बारहवें बैच के दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रशिक्षण लेकर अकादमी से जाने वाले पुलिस अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा एवं ईमानदारी से करेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार को चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस पुलिस एकेडमी में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। चंदखुरी में बारहवें बैच के 25 प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों ने पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया। मंगलवार को सुबह 9.00 बजे मुख्यमंत्री बघेल दीक्षांत समारोह मे शामिल हुए और परेड की सलामी ली। सलामी के बाद मुख्यमंत्री बघेल ने परेड का निरीक्षण किया। दीक्षांत परेड समारोह में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, नगरीय विकास मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया और छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा के साथ पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हुए। परेड के मार्च पास्ट के बाद निदेशक, पुलिस अकादमी श्री रतन लाल डांगी ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया और प्रतिवेदन का वाचन किया।

पुलिस में होना चाहिए सद्भावना पूर्ण व्यवहार व समाधान का नजरिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस में सद्भावना पूर्ण व्यवहार और समाधान का नजरिया होना चाहिए। पुलिस में युवा केवल आजीविका के लिए नहीं, अपनी माटी का कर्ज चुकाने की भावना के साथ आते हैं। जब पुलिस अधिकारी-कर्मचारी अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तभी हम अपने घरों में सुरक्षित रह पाते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी नवाचार के प्रति जागरूक रहते हुए नई तकनीकों को अपनाने के लिए तत्पर रहें व नवाचार के माध्यम से समाज को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करें। पुलिस के अधिकारियों-कर्मचारियों को विषम परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। राज्य सरकार उनके परिजनों को सुविधा और सुरक्षा मुहैया कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कर्तव्य निर्वहन के दौरान अधिकारी सदैव पुलिस आचरण संहिता के प्रावधानों का ध्यान रखें और उन पर अमल करने का प्रयास करें।

हमारा राज्य लगातार प्रगति कर रहा

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमारा राज्य लगातार प्रगति कर रहा है, राज्य के नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से भी अब अच्छे संकेत आने लगे है और यह सब पुलिस की कार्यप्रणाली व मुस्तैदी से संभव हुआ है। विभाग के अधिकारियों ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से जो सकारात्मक स्थिति निर्मित की है, उसे नए अधिकारियों को और आगे बढ़ाना है व समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने नए अफसरों को दी बधाई

दीक्षांत समारोह के मौके पर प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपे बघेल की अगुवाई में हमारा प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है और हम तरक्की की राह पर अग्रसर हैं। उन्होंने नए पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ये अवसर हर किसी के मन में उत्साह जागृत करता है और आज दीक्षांत हासिल करने के बाद ये अधिकारी इस योग्य हो गए हैं कि चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी सेवाएं देने के लिए पुलिस विभाग को चुनने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य लगातार प्रगति कर रहा है और पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों की कठोर मेहनत से अब नक्सली हिंसा वाले इलाकों से भी सकारात्मक माहौल निर्मित हुआ है।

सूर्या टीआई मॉल के स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट का भांडाफोड संदिग्ध हालत में मिली बंगाल व बांग्लादेश की 8 लड़कियां

■ स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था अवैध कारोबार, स्पा संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के सूर्या मॉल के एक स्पा सेंटर में कोलकाता व बांग्लादेश की 8 लड़कियों को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। मॉल में स्पा सेंटर की आड में सेक्स रैकेट चल रहा था। पुलिस की रेड में यहां भारी मात्रा में अमानक सामग्री, कंडोम आदि बरामद किया गया है। मौके से पुलिस ने ग्राहकों के साथ सभी लड़कियों को थाने ले आई। वहीं स्पा संचालक मोहम्मद शारिक खान को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार सूर्या मॉल स्थित जुनवानी स्थित एसेंस स्पा सेंटर में देह व्यापार की शिकायतें लगातार मिल रही थी। सोमवार की रात को सीएसपी निखि रखेजा के नेतृत्व में स्पा सेंटर में छापा मारा गया। रात 10 बजे अचानक पुलिस की टीम पहुंची तो हड़कंप मच गया। यहां पर असम, कोलकाता सहित बांग्लादेशी लड़कियों को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। स्पा सेंटर चलाने वाले मोहम्मद शारिक खान को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफपीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

मॉल संचालक की नाक के नीचे हो रहा था अवैध कारोबार

सूर्या मॉल में मल्टी ब्रांडेड शोरूम के साथ ही सिनेमा हाल, रेस्टोरेंट व ग्रॉसरी आइटम जैसी कई दुकानें हैं। यहां सुबह से लेकर रात तक लोग अपने परिवार के साथ आते जाते हैं। ऐसे में सूर्या मॉल के संचालक ने बिना जाने समझे ऐसे व्यक्ति को स्पा चलाने के लिए जगह दे दी जो वहां सेक्स रैकेट चला रहा था। इतना ही नहीं इतने दिनों से यह गोरख धंधा चल रहा था और मॉल संचालक व स्मृति नगर पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी।

एक दिन की राहत के बाद फिर हुआ कोरोना ब्लास्ट पिछले 24 घंटे में सामने आए 476 नए संक्रमित

■ प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या पहुंची 22 सौ के पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना के मामलों उतार चढ़ाव का दौर जारी है। एक दिन की राहत के बाद सोमवार को एक बार फिर कोरोना ब्लास्ट हुआ है। बीते 24 घंटे में 476 नए संक्रमितों की पहचान हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या 2222 तक पहुंच गई है। इस बीच पॉजिटिविटी दर में मामूली कमी आई है। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान 5620 सैंपलों की जांच की गई। इस दौरान पॉजिटिविटी दर 8.47 प्रतिशत रही है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे।

नए संक्रमितों में राजधानी रायपुर के साथ राजानांदगांव व दुर्ग जिले के आंकड़े डराने वाले हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा संक्रमित 53 मरीज रायपुर जिले में मिले हैं। राजधानी रायपुर में एक्टिव मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलर्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा राजनांदगांव से 50, सरगुजा से 36, दुर्ग से 33, बिलासपुर जिले से 31, बेमेतरा से 31, कोरबा से 28, कांकेर से 27, सूरजपुर से 25, धमतरी जिले में 21, बलौदा बाजार से 20, बालोद जिले से 20, महासमुंद से 19, कोरिया से 17, रायगढ़ व गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से 14-14, गरियाबंद व जांजगीर से 7-7, बीजापुर से 6 दंतेवाड़ा से 5, बलरामपुर व कबीरधाम और नारायणपुर से 3-3, बस्तर से 2 और जशपुर से 1 केस मिला है।

नकटा के नाक कटाए सवा हाथ बाढ़य

श्रीकंचनपथ

भारतीय मनुष्य की सबसे कीमती धरोहर है उसकी नाक। इसे बचाने के लिए वह कुछ भी कर सकता है। समाज में अपनी नाक ऊंचाए रखने के लिए कर्जा लेकर खर्चा करता है। रसूखदारों की पार्टी में जाने के लिए औकात से बाहर का तोहफा खरीदता है। अपने साथ हो रहे गलत का विरोध भी केवल इसलिए नहीं करता कि कहीं सबके सामने बेइज्जती न हो जाए। गरीब और लोअर मिडिल क्लास की नाक सबसे नाजुक होती है। इसे केक काटने वाले प्लास्टिक के छुरे से भी काटा जा सकता है। इन्हें अपनी इज्जत इतनी प्यारी होती है कि ये जेवर गाड़ी गिरवी रखकर भी पहले किस्त और बिल पटाते हैं। इन्हें डर होता है कि कोई पैसा मांगने घर तक न चला आए। सबसे ज्यादा डर उसे थाना-पुलिस और कोर्ट कचहरी से लगता है। वह किसी मामले में फंसना नहीं चाहता, न ही गवाही देना चाहता है। एक बार बेइज्जती हो गई तो ये हाथ की नस काट लेते हैं, नींद की ढेर सारी गोलियां निगल लेते हैं। कोई-कोई रेल की पटरियों की तरफ चला जाता है तो कोई फांसी पर झूल जाता है। पर कुछ लोग नाक कटने पर बेशर्म हो जाते हैं। वे सीना तान कर खड़े हो जाते हैं, लो अब उखाड़ लो, जो उखाड़ना है। ऐसे ही लोगों के लिए छत्तीसगढ़ी में कहा जाता है 'नकटा के नाक कटाए सवा हाथ बाढ़य.' अर्थात, एक बार बेइज्जती हो गई तो कुछ लोग बेशर्म हो जाते हैं। फिर आप जितनी बार नाक काटो वह पहले से बड़ी हो जाती है। कुछ ऐसा ही होता है अपराध की दुनिया में ताजा ताजा कदम रखने वालों के साथ। एक बार जेल-हाजत होकर आते हैं तो कुछ और अपराधियों से मेल मुलाकात हो जाती है। थोड़ी से बेशर्मी और थोड़े से नए गुर, वह अपराध के सीख कर आ जाता है। अब वह अकेला नहीं होता, उसके पास भी टीम होती है। इसलिए जब पुलिस ने अपराध करते पाए जाने पर लोगों की बेइज्जती करनी शुरू की तो माथा ठनका। अभी तक उनमें शर्मो-हया के कुछ कतरे बाकी हैं। यदि शर्म की यह दीवार गिर गई तो कहीं वह पहले से भी ज्यादा बेपरवाह और दुर्दांत न हो जाए। बंदीगृह में उसकी मुलाकात कोई साधु-संतों से होनी नहीं है जो उसका चाल चरित्र सुधर जाएगा। वहां तो उसे एक से बढ़कर एक छंटे हुए गुण्डे बदमाश ही मिलेंगे। उसके नेटवर्क का विस्तार हो जाएगा। इसमें पुलिस वाले, वकील, नेता सभी शामिल होंगे। छांटकर किसी को गुरू बना लिया तो वक्त आने पर वह स्वयं डॉन बन जाएगा। जब वह पुलिस और कानून के काबू से बाहर हो जाएगा तो पुलिस स्वयं अपराध करने पर उतारू हो जाएगी। किसी का वह अपने हाथों से एनकाउंटर करेगी तो किसी के मारे जाने का प्रबंध कर करेगी। यह तो नियति है जो हर गलत के साथ अपने आप जुड़ जाती है।

संपादकीय

शराब के खिलाफ

बिहार में जहरीली शराब पीने से मौत होने पर पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपये के मुआवजे का एलान स्वागत-योग्य होने के साथ ही विचारणीय भी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह घोषणा की है और ऐसी मांग पहले से होती आई है। हालांकि, इसके पहले खुद मुख्यमंत्री ने सख्ती से कहा था कि शराब पीकर मरने वालों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा, पीओगे, तो मरोगे। नैतिकता संबंधी प्रश्न भी उठे थे कि गलत काम के लिए मुआवजा क्यों दिया जाए, लेकिन अब सरकार का जो नया कल्याणकारी रूप सामने आया है, उसके अनेक सकारात्मक निहितार्थ हैं। हालांकि, यहां भी शराबबंदी के प्रति नीतीश कुमार की दृढ़ता और मंशा स्पष्ट है। यह मुआवजा आसानी से नहीं मिलेगा। इसके लिए मृतक के परिजनों को एक तरह से संकल्प या शपथ लेने की जरूरत पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि चार लाख रुपये दिए जाएंगे, मगर मृतक के परिजनों को यह लिखकर देना होगा कि मरने वाले व्यक्ति ने शराब पी थी। उसने कहां से शराब ली थी, उसका नाम और पता भी देना होगा। साथ ही, उसे यह भी लिखना होगा कि शराबबंदी बहुत अच्छी चीज है। हम इसका समर्थन करते हैं। भविष्य में परिवार का कोई सदस्य शराब नहीं पिएगा।

> पुलिस को अपना ऐसा नेटवर्क बनाना चाहिए कि राज्य में कहीं भी शराब बनाने-बेचने-पीने की कोई हिम्मत न कर सके। पुलिस को सफल कार्रवाई व आम लोगों को कारगर सूचना देने के लिए पुरस्कृत किया जाना चाहिए। अपने-अपने क्षेत्र में रसूखदार समाजसेवियों व राजनेताओं को भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित होना चाहिए। शराब कारोबार पर पंचायतों के जरिये अंकुश संभव है, मगर इसके लिए कारगर योजना और निर्देश की जरूरत है। बिहार में शराब विरोधी बड़े सामाजिक अभियान की जरूरत बहुत बढ़ गई है।

मुआवजे के लिए रखी गई विस्तृत शर्त कारगर और प्रशंसनीय है। इससे बिहार में शराब माफिया पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी। इस मुआवजे को एक तरह से अपराध के खिलाफ उपाय या प्रोत्साहन योजना के रूप में देखा जा सकता है, इसकी जरूरत पहले से ही रही है। खास बात यह है कि मुआवजा केवल ताजा मामलों में ही नहीं, बल्कि शराब से हुई मौतों के पुराने मामलों में भी दिया जाएगा। मतलब, जो शराब माफिया पहले बच गए हैं, उनकी भी अब खैर नहीं। हां, इसमें एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि पुलिस को ऐसे लोगों की सुरक्षा का प्रबंध भी करना होगा, जो अपराधियों के खिलाफ खड़े होंगे। पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ गई है। पुलिस- प्रशासन को शराब के खिलाफ पूरे समाज को साथ लेकर चलना होगा, तभी अपराधियों को घेरना संभव होगा। अफसोस, पुलिस का रवैया लोगों के साथ पहले से ही दोस्ताना रहता, तो सरकार को यूं मुआवजा या अपराध विरोधी प्रोत्साहन देने की जरूरत नहीं पड़ती।

बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू हुई थी, पर शराबखोरी रुकी नहीं है। राज्य में सैकड़ों लोगों की जान गई है, क्योंकि उन्होंने जहरीली शराब का सेवन किया। ताजा हादसे में मोतिहारी में कई सारे लोगों की मौत हुई है और पुलिस ने 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें संदेह नहीं है कि दिखावे की कार्रवाई से आगे बढ़कर पुलिस को काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने अगर शराबबंदी के लिए अपने कड़े रुख को बदलते हुए लचीलापन दिखाया है, तो शासन-प्रशासन को एकजुट होकर बिहार को शराब मुक्त करने की कोशिश करनी चाहिए। पुलिस को अपना ऐसा नेटवर्क बनाना चाहिए कि राज्य में कहीं भी शराब बनाने-बेचने-पीने की कोई हिम्मत न कर सके। पुलिस को सफल कार्रवाई व आम लोगों को कारगर सूचना देने के लिए पुरस्कृत किया जाना चाहिए। अपने-अपने क्षेत्र में रसूखदार समाजसेवियों व राजनेताओं को भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित होना चाहिए। शराब कारोबार पर पंचायतों के जरिये अंकुश संभव है, मगर इसके लिए कारगर योजना और निर्देश की जरूरत है। बिहार में शराब विरोधी बड़े सामाजिक अभियान की जरूरत बहुत बढ़ गई है।

> **पुरानी मांग रही है कि अनुच्छेद 341 के पैरा 3 को हटाकर पसमांदा दलितों को भी एससी आरक्षण में शामिल किया जाए। जरूरतमंद मुस्लिमों तक आरक्षण का लाभ पहुंचे। कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल के ओबीसी आरक्षण से अशराफजातियों को बाहर निकाला जाए। मुस्लिम आरक्षण की विसंगतियों को दूर किया जाए, ताकि सामाजिक न्याय का मार्ग प्रशस्त हो और यह आरक्षण कतई सांप्रदायिक मुद्दा न बनने पाए।**

आशंकाओं के बीच भी खूब संभावनाएं

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत की खबर आई है। रिजर्व बैंक के आशावाद पर मोहर भी लग गई और उसकी यह बात सही भी साबित हुई कि महंगाई शायद अब उतार पर है। खुदरा महंगाई का आंकड़ा 16 महीनों में सबसे नीचे पहुंच गया है, तो थोक महंगाई का आंकड़ा 29 महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। मतलब, महंगाई बढ़ने की रफ्तार में कमी आई है। रिजर्व बैंक ने जब इस बार ब्याज दरें बढ़ाने के सिलसिले पर ब्रेक लगाया, तो उसे भरोसा था कि महंगाई दर में अब कुछ कमी दिखनेवाली है। बाजार को उम्मीद तो यही थी कि अभी कम से कम एक बार दरें और बढ़ेंगी, लेकिन रिजर्व बैंक ने उम्मीद से पहले ही खुशखबरी दे दी।

वैसे, यह खुशखबरी से ज्यादा एक बड़ी चिंता से मुकाबले की कोशिश भी थी। रिजर्व बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान पहले से 0.1 प्रतिशत बढ़ा दिया और गवर्नर ने कहा भी कि महंगाई की चुनौती बनी हुई है, लेकिन विश्लेषकों की राय थी कि रिजर्व बैंक दरअसल सरकार का काम आसान कर रहा है और कोशिश कर रहा है कि इस विकट समय में देश की तरक्की की रफ्तार तेज करने में अगर कोई भूमिका न निभा सके, तो उसकी राह में रोड़ा भी न अटकाए।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बीते हफ्ते दुनिया भर की ग्रोथ के जो आंकड़े जारी किए हैं, वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि ग्रोथ के मोर्चे पर भारत अभी आश्वस्त भाव में नहीं दिख सकता। जहां रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान 0.1 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया है, वहीं मुद्रा कोष, यानी आईएमएफ ने अपने पुराने अनुमान 6.1 प्रतिशत को भी 0.2 प्रतिशत घटाकर 5.9 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले विश्व बैंक भी अपने अनुमान को 6.6 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर चुका है। इस गिरावट के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहेगी, यह बात मुद्रा कोष की रिपोर्ट में कही गई है।

आईएमएफ इस अंधकार भरे माहौल में भारत को रोशनी की एक चमकती किरण की तरह देख रहा है। उसके यह कहने की वजह भी है, यूरोप और अमेरिका में मंदी का संकट सामने दिख रहा है। आईएमएफ के अनुसार, 2023 में अमेरिका 1.6 प्रतिशत और फ्रांस 0.7 प्रतिशत ही तरक्की कर पाएगा, जबकि जर्मनी की अर्थव्यवस्था में -0.1 प्रतिशत और ब्रिटेन में -0.7 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। उधर, चीन इस साल 5.2 प्रतिशत और 2024 में 4.5 प्रतिशत की रफ्तार दिखा सकता है। पिछले साल उसकी बढ़त तीन प्रतिशत ही थी। वैसे, मुद्रा कोष को यकीन है कि दुनिया के ज्यादातर देश मंदी की चपेट में जाने से बचने में कामयाब रहेंगे।

फिर भी, आर्थिक विकास दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती बना रहेगा। भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी और दुनिया की ग्रोथ का आधा हिस्सा इन दो देशों से ही आएगा। अगले पांच साल तक दुनिया का ग्रोथ रेट तीन प्रतिशत से नीचे ही रहेगा। अमीर देशों में तो 90 प्रतिशत की ग्रोथ में कमी आना तय है और गरीब देशों में भी ग्रोथ कम होना उनके लिए एक बड़े झटके की तरह आएगा, क्योंकि उनके लिए तरक्की की दौड़ में आगे आना और मुश्किल होता जाएगा। इसकी वजह से कोरोना के बाद पैदा हुई गरीबी और भूख की समस्या और बढ़ सकती है। शायद इसीलिए पिछले हफ्ते विश्व बैंक और मुद्रा कोष की बैठक में यह चिंता साफ दिखती रही। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत आर्थिक सुधारों के लिए संकल्पबद्ध है और उन्होंने दुनिया को न्योता दिया कि इस सफर में हमारे साथ आएं।

अभी मंदी का डर गहराया, तो क्या होगा, यह समझना मुश्किल नहीं है। इधर, मुश्किल हालात में भी भारत से निर्यात बढ़ना राहत की खबर है। हालांकि, मार्च के महीने में भारत से जो माल बाहर गया, वह पिछले साल से 13.6 प्रतिशत कम रहा, जो तीन साल की सबसे बड़ी गिरावट थी। मगर 2022-23 में कुल मिलाकर माल के निर्यात में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इस विकट परिस्थिति में बड़ी बात मानी जाएगी। सर्विसेज का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़कर 323 अरब डॉलर हो गया है। चिंता इस बात की है कि निर्यात के मुकाबले आयात में ज्यादा तेज बढ़त हुई है। जहां पूरे वित्त वर्ष में कुल निर्यात 13.84 प्रतिशत बढ़कर 77,000 करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड पर पहुंचा, वहीं आयात ने 17.38 प्रतिशत की और ऊंची छलांग लगाकर 89,200 करोड़ डॉलर का नया शिखर छू लिया है। सबसे भारी तेजी रूस से आयात में आई है, जो सस्ते तेल की भारी खरीद के कारण 370 प्रतिशत उछल गया। इसका दबाव भारत के व्यापार घाटे पर भी दिख रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार के कम होने में भी इसी का हाथ है।

इन आशंकाओं के बावजूद हालात सुधरने की उम्मीद दिख रही है। आईटी कंपनियों के अलावा बाकी ज्यादातर कारोबार में लगी कंपनियों की चौथी तिमाही के नतीजों में काफी तगड़ा मुनाफा दिखेगा, ऐसी उम्मीद है। किराना कारोबार की बिक्री के आंकड़े आ रहे हैं और खबर है कि गांवों में खरीदारी फिर तेज हो रही है। जहां शहरों में पिछले साल के मुकाबले 7.9 प्रतिशत की बढ़त है, वहीं गांवों का यह आंकड़ा 16.8 प्रतिशत है। वैसे, यह जानकारी जुटानेवाली रिसर्च एजेंसी का कहना है कि अब भी लोग हाथ खोलकर खर्च करते नहीं दिख रहे हैं। मतलब, चिंता अभी बाकी है।

जो फिक्र आईएमएफ प्रमुख को दुनिया के गरीब देशों के लिए हो रही है, वही फिक्र भारत में सबसे गरीब लोगों और सबसे पिछड़े इलाकों के लिए भी होनी जरूरी है। इन इलाकों में विकास का तेज होना शायद एकमात्र तरीका है। आज क्या आर्थिक सुधारों की परिभाषा पर पुनर्विचार नहीं होना चाहिए? इस वक्त भारत ऐसी स्थिति में है कि वह वैश्विक संस्थाओं पर दबाव बनाए और यह सवाल पूछे कि विकास किसके लिए और किसकी कीमत पर होना है? विकास का फायदा आखिरी आदमी या आखिरी औरत तक पहुंचाने की शुरुआत तो यह सवाल पूछकर ही होनी है। एक मुल्क की तरह भारत को अपना जवाब तैयार कर लेना होगा। उल्लेखनीय है कि गरीब और कमजोर की फिक्र किए बिना विकास तेज हो भी जाए, तो ज्यादा समय तक उसका पटरी पर टिकना मुश्किल है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मुस्लिमों में सामाजिक न्याय और आरक्षण का सवाल

फैयाज अहमद फैजी, सामाजिक कार्यकर्ता

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले दिनों मुसलमानों के लिए आरक्षण के संबंध में दो अलग-अलग मामलों में अपनी राय व्यक्त की। पहला मामला, कर्नाटक सरकार द्वारा मुस्लिमों के लिए बनाई गई ओबीसी की श्रेणी 2 ई को समाप्त करने और दूसरा मामला, मुस्लिम एवं ईसाई धर्मावलंबी दलित समाज को एससी आरक्षण में सम्मिलित करने से संबंधित था। इन दोनों मामलों में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल याचिकाओं के संबंध में कोर्ट की टिप्पणी के बाद मुस्लिम समाज में सामाजिक न्याय एवं आरक्षण पर फिर बहस तेज हो गई है।

यह विदित है कि मजहबी पहचान के नाम पर आरक्षण संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। मुस्लिमों को ओबीसी और एसटी आरक्षण में शामिल किया गया है। हालांकि, एससी के तहत आरक्षण से ईसाई और मुस्लिम दलित अभी भी बाहर हैं, यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में पिछले लगभग 22 वर्ष से विचाराधीन है। इस पर न्यायालय ने सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करने की केंद्र सरकार की याचिका को दरकिनार करते हुए जुलाई में सुनवाई कर फैसले की बात कही है।

इस आधार पर कर्नाटक सरकार द्वारा सिर्फ मुस्लिम श्रेणी (2 ई) का समाप्त किया जाना संविधान-सम्मत प्रतीत होता है। यहां यह बात ध्यान रखने की है कि मुस्लिमों की अनेक पसमांदा (पिछड़ी, दलित और आदिवासी) जातियों को पहले की तरह ओबीसी के 19 प्रतिशत और एसटी के 7 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता रहेगा। कर्नाटक सरकार ने सिर्फ 4 प्रतिशत वाले 2 ई मतलब- विशेष रूप से मुस्लिम आरक्षण को समाप्त किया है। इस आरक्षण का लाभ सशक्त अशराफ मुस्लिम उठा रहे थे, जो संविधान व सामाजिक न्याय के अनुकूल नहीं था।

यह भी एक विडंबना है कि 2 ई श्रेणी के लिए बनने वाले जाति प्रमाणपत्र में

जाति का नाम मुस्लिम लिखा रहता है, जो ठीक नहीं है, क्योंकि मुस्लिम एक धार्मिक पहचान है, जातिगत पहचान नहीं। सोचना चाहिए, किसी धर्म के पिछड़ों और अगड़ों, दोनों को भला एक साथ आरक्षण देने की व्यवस्था कैसे हो सकती है?

लगता है, कुछ लोगों ने सरकारों को गुमराह कर स्वार्थ साधने के लिए ओबीसी आरक्षण में यह चोर दरवाजा खुलवाया था। तथ्य है कि मंडल कमीशन ने मुसलमानों की कमजोर जातियों को ओबीसी आरक्षण में शामिल करने के लिए कहा था। आज जिन 90 प्रतिशत मुस्लिमों (पसमांदा) को ओबीसी का आरक्षण मिल रहा है, वे भी धर्म के नाम पर चिलचिलाती धूप में नारा बुलंद किए हुए हैं कि मुस्लिम आरक्षण लेकर रहेंगे। वैसे, ईडब्ल्यूएस में अशराफ वर्ग के आने के बाद से मुस्लिम आरक्षण की मांग में कुछ कमी आई है।

अव्वल तो मुस्लिम आरक्षण को लेकर भ्रम बहुत हैं और दूसरी बात, ओबीसी आरक्षण में आने वाली जातियों की सूची स्पष्ट नहीं है। सच्चर समिति ने भी यही बताया था। धार्मिक आधार से परे ऐसे कई ओबीसी समूह हैं, जो राज्य सूची में हैं, पर केंद्र सूची में नहीं हैं। उदाहरण के लिए, बिहार में सूचियों के नवीनीकरण के बाद 17 ओबीसी समूह ऐसे हैं, जिन्हें केंद्रीय सूची में जगह नहीं मिली है। उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम समूह - मिर्शिकार व नानबाई को केंद्रीय सूची में जगह नहीं मिली है। कुछ ऐसे मुस्लिम समूह हैं, जिन्हें केंद्र की सूची में जगह मिली है, परंतु राज्य सूची में सम्मिलित किया जाना बाकी है। बिहार में कलवार, उत्तर प्रदेश में आतिशबाज ऐसे उदाहरण हैं। विडंबना देखिए, अभी भी ऐसे समूह हैं, जिन्हें न तो केंद्र और न राज्य की सूची में जगह मिल पाई है।

देश के पसमांदा संगठनों का साफ मानना है कि देशज पसमांदा समाज का उत्थान सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति के अनुरूप हो, मजहबी पहचान के आधार पर नहीं। पुरानी मांग रही है कि अनुच्छेद 341 के पैरा 3 को हटाकर पसमांदा दलितों को भी एससी आरक्षण में शामिल किया जाए। जरूरतमंद मुस्लिमों तक आरक्षण का लाभ पहुंचे। कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल के ओबीसी आरक्षण से अशराफ जातियों को बाहर निकाला जाए। मुस्लिम आरक्षण की विसंगतियों को दूर किया जाए, ताकि सामाजिक न्याय का मार्ग प्रशस्त हो और यह आरक्षण कतई सांप्रदायिक मुद्दा न बनने पाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऐसी दुनिया में कैसे जिएं

यह पूरा विश्व टूटा हुआ है और यह बाहर से उतना ही खंडित है, जितना इसमें जीने वाले मनुष्य भीतर से खंडित हैं। वास्तव में, यह बाहरी विखंडन मनुष्य के आंतरिक विभाजन की अभिव्यक्ति है।

एक सुधी सज्जन ने मुझसे कहा कि 'मैं हतप्रभ हूं। मुझे नहीं पता चल रहा कि क्या करना है, कैसे जीना है? मेरा हरेक चीज से भरोसा उठ गया है- धर्म, दर्शन, राजनीतिक कल्पना-लोक, सबसे! व्यक्ति-व्यक्ति के बीच लड़ाई छिड़ी है, देश-देश के मध्य युद्ध जारी हैं। इस अनुदार समाज में हरेक चीज की अनुमति है- हत्या, दंगे, एक देश द्वारा दूसरे का उत्पीड़न, और कोई कुछ नहीं कर रहा, क्योंकि हस्तक्षेप करने का मतलब है अगला विश्व युद्ध! इन सबसे जूझते हुए यह समझ ही नहीं आ रहा कि मुझे क्या करना चाहिए; आखिर इस दुनिया में मुझे कैसे जीना है?'

मैंने उनसे कहा, आप क्या चाह रहे हैं- एक अलग जीवन या एक नया जीवन, जो पुराने जीवन की समझ से मिलता है? यदि आप इस भ्रम की वजह को समझे बिना एक अलग जीवन चाहते हैं, तो आप हमेशा विरोधाभास में, संघर्ष में और भ्रम में रहेंगे। यकीनन, यह कोई नया जीवन नहीं होगा। इसलिए पहला सवाल तो यही है कि आप एक नया जीवन चाहते हैं या पुरानी जिंदगी में अनवरत सुधार के आग्रही हैं, या पुराने जीवन को समझना चाहते हैं? दरअसल, आपका मूल प्रश्न है कि ऐसी दुनिया में कैसे जिएं? इससे पहले आपको समझना होगा कि यह दुनिया क्या है?

दुनिया केवल वही सब नहीं है, जो हमें घेरे हुए हैं; यह उन सभी चीजों, लोगों, विचारों, अवधारणाओं के साथ हमारा संबंध भी है, यानी संपत्ति के साथ हमारा रिश्ता, लोगों के साथ हमारा संबंध, विचारों से हमारा नाता, इन सबको जीवन कहते हैं। यह दुनिया है। हम राष्ट्रीयताओं, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और जातीय समूहों में विभाजन देखते हैं; पूरी दुनिया टूट गई है और यह बाहर से उतनी ही खंडित है, जितना इसमें जीने वाले मनुष्य भीतर से हैं। वास्तव में, यह बाहरी विखंडन मनुष्य के आंतरिक विभाजन की अभिव्यक्ति है।

आप इंसान हो! आप यहां से कहां जाएंगे? कहीं मत जाइए। आप जिसे बेहतर समझते हैं, उस आदर्श की तलाश कीजिए, उसकी तरफ बढ़िए। यह खोज आपको एहसास दिलाएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं; आप एक बेहतर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं... किसी संघर्ष, भ्रम, ईर्ष्या, लोभ दीवार के उस पार नहीं है; शुरुआत और अंत यहीं है। यदि आप यह समझते हैं कि हत्या करना भयानक है, तो क्या आपके पास हत्या न करने के लिए कोई आदर्श होना चाहिए? जब हम कहते हैं कि हम समझते हैं, तो इसमें यह निहित है कि हमने वह सब कुछ जान-सीख लिया है, जो उसके बारे में कहना है। हमने उसकी सच्चाई या उसके झूठ की खोज की है। यह हमेशा याद रखिए कि मन और हृदय में जब पूर्ण सामंजस्य स्थापित होता है, तभी समझ बनती है।

जे कृष्णमूर्ति

एनकाउंटर पर सवाल उठते आए हैं?

विनीत नारायण

जिस तरह हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी तरह कुछ एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के घमंड और कभी-कभी उसके भ्रष्टाचार के चलते हर पुलिस एनकाउंटर को शक की निगाह से ही देखा जाता है। ख़ासकर जब राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के पाले हुए गुंडों का एंकाउंटर होता है तब तो जनता के मन में ऐसे ही सवाल उठते हैं कि ऐसे सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। परंतु सच्चाई तो जाँच के बाद ही सामने आती है।

उत्तर प्रदेश के व्यापारी आजकल कहते हैं कि योगी राज में मुसलमानों का आतंक ख़त्म हो गया है। इसलिए माफिया डॉन अतीक अहमद के बेटे असद अहमद की एनकाउंटर में मौत का समाचार उन लोगों को सही लगा। मैं एनकाउंटर के विषय में कुछ तथ्य और क़ानूनी पेचीदगियों का ज़िक्र इस लेख में आगे करूँगा। पर यहाँ एक सवाल जो समाजवादी पार्टी ने उठाया है वह भी महत्वपूर्ण है। वो यह कि स्थानिय चुनावों के पहले ही इस एनकाउंटर का क्या अर्थ निकला है? सिवाय इसके कि इस एनकाउंटर की खबर को दिन-रात टीवी चैनलों पर चलवाकर इसका फ़ायदा योगी सरकार को अगले महीने होने वाले निकायों के चुनावों में मिले।

इसलिये सरकार की नीयत पर शक होता है। क़ानून की नज़र में सब बराबर होने चाहिए। किसी अपराधी का कोई जाति या धर्म नहीं होता। इसलिए बिना भय और पक्षपात के अगर प्रदेश के माफ़ियाओं के विरुद्ध योगी सरकार कड़े कदम उठाती है तो उसका स्वागत ही होगा। पर ऐसे कदम सब अपराधियों पर एक समान उठाए जाने चाहिए, जो आज नहीं हो रहा है। हत्या, बलात्कार और पुलिस उत्पीड़न के शिकार कितने ही लोगों को न्याय नहीं मिल रहा। फ़रियादी हताश होकर आत्महत्या तक कर रहे हैं ऐसी खबरें अक्सर सामने आती रहती है।

उत्तर प्रदेश के एक विशेष जाति के माफ़ियाओं की सूची आज कल सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें योगी सरकार से पूछा जा रहा है कि इन माफ़ियाओं के विरुद्ध आजतक 'बुलडोज़रनुमा' कार्यवाही क्यों नहीं हुई? उनमें से किसी का एनकाउंटर क्यों नहीं होता? उत्तर प्रदेश सरकार की इस नीति के विरुद्ध भी बहुत लोगों को आक्रोश है।

एनकाउंटर उमेश पाल की हत्या के आरोपियों का हो या किसी अन्य का जब भी उस पर सवाल उठते हैं तो मामला जाँच कमेटी के पास पहुँचता है। आपको याद होगा कि कुछ ही समय पहले नवंबर 2019 में तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में हुए गैंगरेप और हत्या के चार अभियुक्तों के संदिग्ध एनकाउंटर को सर्वोच्च न्यायालय की जाँच समिति ने फ़र्ज़ी पाया। जाँच समिति द्वारा इन पुलिसवालों पर हत्या का मुक़द्दमा चलाने की सिफ़ारिश भी की गई।

पाठकों को याद होगा कि जब यह एनकाउंटर हुआ था, तब लोगों ने पुलिस का समर्थन करते हुए भारी जश्न मनाया था। जैसा असद व अन्य आरोपियों के एनकाउंटर पर भी हो रहा है। वहीं दूसरी ओर हमेशा की तरह पुलिस एनकाउंटर पर तमाम सवाल भी खड़े हो रहे हैं। प्रायः ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस द्वारा किए गए एनकाउंटर फ़र्ज़ी ही होते हैं। एनकाउंटर कब और कैसे होते हैं इस बात पर कोई विशेष ध्यान नहीं देता।

क़ानून की बात करें तो देश में मौजूद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) दोनों में ही एनकाउंटर का कोई भी ज़िक्र नहीं है। तो फिर सवाल उठता है कि पुलिस एनकाउंटर आख़िर है क्या? यदि कोई भी पुलिसकर्मी आत्मरक्षा में सामने वाले पर गोली चलाता है तो उसे सामान्य भाषा में एनकाउंटर माना जाता है। तो क्या पुलिस किसी भी अपराधी पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है? नहीं ऐसा नहीं है।

जब कभी भी पुलिस को किसी अपराधी के बारे में सूचना मिलती है और वह उसे गिरफ़्तार करने जाती है, तो अगर वो अपराधी आत्मसमर्पण कर देता है तब पुलिस उस पर बल प्रयोग नहीं कर सकती। यदि कोई कुख्यात अपराधी, जिसे उम्र क़ैद या उससे ज़्यादा सज़ा हो सकती है और वो गिरफ़्तारी से बचने के लिए भागने का प्रयास करता है और पुलिस उसे पकड़ नहीं पाती, तो उस सूरत में पुलिस उसे ज़ख़्मी करने की नियत से उसके शरीर के किसी भी हिस्से में गोली मार सकती है। प्रायः ये गोली उसकी टांगों में मारी जाती है। जिससे वह ज़्यादा दूर न भाग सके और उसे गिरफ़्तार कर लिया जाए। यदि ऐसे किसी अपराधी के पास कोई जान लेवा हथियार होता है और वो पुलिस पर वार करता है, तो केवल उस सूरत में पुलिस उस पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है।

इटली में आम चुनाव

इटली में आज से आम चुनाव हो रहे हैं और उनका नतीजा तीन-चार दिन में घोषित हो जायेगा। इन चुनावों के नतीजों का यूरोप की स्थिति पर गहरा असर पड़ेगा और विश्व की राजनीति पर भी उसकी प्रतिक्रिया हुए बिना न रहेगी। उससे यह पता चल जायेगा कि दुनिया के राष्ट्रों के जो दो गुट बनते जा रहे हैं, उनमें से इटली कौन से गुट में शामिल होगा। इटली के आम चुनावों को प्रभावित करने की बड़े दिनों से कोशिशें चल रही हैं। इटली के साथ जो संधि हुई है, उसमें ट्रीस्ट के इलाके को स्वतंत्र प्रदेश के रूप में रखना तय पाया था। इस प्रदेश के बारे में इटली और युगोस्लाविया में झगड़ा था। उस झगड़े को निपटाने के लिए ही यह व्यवस्था सोची गई थी, किन्तु ट्रीस्ट के स्वतन्त्र प्रदेश का गवर्नर किसे मुकर्रर किया जाये, इस बारे में चार बड़े राष्ट्रों- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस में कोई समझौता नहीं हुआ। अब प्रथम तीन देशों ने यह प्रस्ताव किया है कि ट्रीस्ट का इलाका इटली को सौंप दिया जाये। युगोस्लाविया और रूस ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। रूस का कहना है कि इटली की संधि में इस प्रकार इकतरफा संशोधन नहीं किया जा सकता और ट्रीस्ट की वापसी का प्रस्ताव एक रिश्वत है, जो पश्चिमी मित्र राष्ट्र इटली के मतदाताओं को दे रहे हैं। इटली के मतदाता सोच सकते हैं कि यदि उन्होंने चुनावों में उस पार्टी को विजयी बनाया, जिसे पश्चिमी राष्ट्रों की सहानुभति प्राप्त है, तो ट्रीस्ट का प्रदेश इटली को आसानी से मिल जायेगा। अमेरिका के परराष्ट्र मंत्री मि. मार्शल ने चुनावों के पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि अमेरिका यूरोप के देशों को आर्थिक पुनर्रचना के लिए जो सहायता देने वाला है, उसका इटली लाभ न उठा सकेगा, यदि वहां कम्यूनिस्ट चुनावों में विजयी हो गये। यह भी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यदि इटली के मतदाताओं ने कम्यूनिस्ट पार्टी का समर्थन किया तो इटली को अमेरिका की आर्थिक सहायता से वंचित हो जाना पड़ेगा। पश्चिमी राष्ट्र इटली को अपने दायरे में रखने को उत्सुक हैं। पिछले दिनों पश्चिम के पांच राष्ट्रों का जो संघ बना है, उसमें आगे चलकर इटली को शामिल करने की इच्छा ब्रिटेन के विदेश मंत्री मि. बेविन प्रकट कर चुके हैं।

इटली में दो धारा सभाएं हैं। एक सीनेट और दूसरी चेम्बर कहलाती है। इन दोनों के लिए चुनाव साथ-साथ हो रहे हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

योग क्लास से हो रहा विभिन्न रोगों का निदान

कवर्धा। श्रीगणेशपूरम मारुति शोरूम बिलासपुर रोड में आगामी 7 मई से 15 तक आयोजित रुद्रमहायज्ञ एवं योग शिविर से पूर्व कार्यक्रम स्थल में प्रात: योग शिविर लगाया जा रहा है। जिसमें योग साधकों को हरिद्वार में योगऋषि स्वामी रामदेवबाबा से प्रशिक्षित योगगुरु नरेंद्र देव का सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। शारीरिक पीड़ाओं के निदान के लिए विशेष रूप से प्रारंभ इस योग शिविर में विशाल योग स्वास्थ एवं ध्यान शिविर के आयोजन तथा बाबा रामदेव के आगमन की कार्ययोजना बनाकर तैयारियां की जा रही है । शिविर में सैकड़ों योग साधकों ने योग के प्रोटोकॉल के साथ आसन, प्राणायाम किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं पतंजलि किसान सेवा समिति राज्यप्रभारी गणेश तिवारी ने नगरवासी एवं अंचल के लोगो से इस योग शिविर का लाभ लेने का आव्हान किया है । उन्होंने कहा कि प्रात: 5:30 नित्यकर्म से निवृत होकर गणेशपुरम पहुँचे एवं अपने शारीरिक व्याधियो से मुक्ति पाएं। योगगुरु बाबा नरेंद्र देव ने कहा कि स्वामी रामदेव महाराज ने योग को अनुसंधान के आधार पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ घर-घर तक पहुंचाया है।

एकलव्य विद्यालय प्रवेश चयन परीक्षा 23 को 2 हजार 336 बैठेगे परीक्षा में

कांकेर। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़, कांकेर, भानुप्रतापपुर, दुर्गकोंदल एवं नरहरपुर में शिक्षण सत्र 2023-24 के लिए 06वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 23 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाईट से आवेदन क्रमांक एवं विद्यार्थी के पिता का मोबाईल नंबर डालकर डाउनलोड किया जा सकता है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा के लिए 02 हजार 525 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसमें 02 हजार 336 विद्यार्थियों के आवेदन पत्र पात्र पाए गए तथा 189 विद्यार्थियों के आवेदन पत्र अपात्र पाए गए हैं। चयन परीक्षा के लिए पंडित विष्णु प्रसाद शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुर, शासकीय प्रेक्टीसिंग कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चारामा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चारामा, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल नरहरपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानुप्रतापपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संबलपुर शासकीय उच्चतर विद्यालय दुर्गकोंदल,शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़ को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

बोर्ड परीक्षाओं की 1.25 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय सीमा में पूरा हुआ

जगदलपुर। जिला मुख्यालय के बस्तर हाई स्कूल में दसवीं-बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं का मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है। दूसरे जिलों से आई उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए निर्धारित समय सीमा 17 अप्रैल को मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 25 मार्च से मूल्यांकन की शुरुआत की गई थी। 23 दिनों में करीब 250 मूल्यांकन कर्ताओं ने उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की। बोर्ड ने दो खेपों में 1.25 लाख उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए बस्तर हाई स्कूल भेजी थीं।

आईटीआई के उन्नयन के लिए बजट में 1200 करोड़ रूपये का प्रावधान, अवंति बाई वार्ड के शासकीय स्कूल को स्वामी आत्मानंद स्कूल के रूप में उन्नयन करने की घोषणा

युवाओं को रोजगार दिलाने आईटीआई का होगा उन्नयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि युवाओं के रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए इस वर्ष बजट में आईटीआई के उन्नयन हेतु 1200 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इससे आईटीआई में रोजगार परक नये कोर्स का संचालन किया जाएगा। जिससे युवाओं को आसानी से रोजगार मिल सकें। इसी तरह रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क की तर्ज पर शहरी क्षेत्रों के भी शहरी इंडस्ट्रीयल पार्क प्रारंभ किए जाएंगे। श्री बघेल रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के नगरवासियों से भेंट-मुलाकात में रूबरू होने के बाद संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई में बेहतर अवसर दिलाने के लिए नये-नये मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किये जा रहे हैं। हाल में ही चार नये मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है। इसे मिलाकर अब 14 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। मेडिकल की पढ़ाई के लिए सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। जिला अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आसानी से चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना का लाभ 82 लाख लोगों को मिल चुका है।

कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री रविन्द्र चौबे, रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप जुनेजा, नगर निगम महापौर एज़ाज़ ढेबर, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं -

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में त्रिमूर्तिनगर वीरांगना अवंति बाई वार्ड की शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के रूप में उन्नयन करने और गंगानगर कुष्ठ बस्ती का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की। इसी प्रकार लाल बहादुर शास्त्री वार्ड राजातालाब के अरमान नाले को कवर्ड कराने, कालीमाता वार्ड में राजीव नगर नाले का निर्माण और 50 वर्ष पुराने जवाहर-गांधी उद्यान का सौंदर्यीकरण कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने लोगों की मांग पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड क्रमांक 31 में भावना नगर में यश मेन्स सैलून से चिल्फी हाईट्स तक, माँ दुर्गा ड्राईक्लीनर से सांई सिमरन सिटी तक, भावना नगर में राठौर कॉलोनी में श्रीरामनगर फेस 1 की गली नंबर 01, 02, 03, 04, 05, 06 में डामरीकरण कराने की स्वीकृति दी। इसी प्रकार वार्ड 33 शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड में-कविता नगर में नेताजी होटल से उप मुख्य लेबर कमिश्नर ऑफिस और एस्थेटिक इंस्टिट्यूट तक-भारत माता चौक से पाणीग्रही के घर तक, - गीतांजली नगर में काशी अपार्टमेंट मार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों का डामरीकरण कराने की घोषणा की।

मकान का सपना पूरा हुआ

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में लोगों से चर्चा के दौरान श्रीमती सुषमा यादव ने मुख्यमंत्री को बताया कि मोर जमीन मोर मकान योजना के तहत उन्हें लाभ मिला है। अपनी झोपड़पट्टी को पक्का मकान बनाने का सपना देख रहे थे, वह पूरा हो गया है। श्रीमती सुषमा यादव ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

नर्सिंग की पढ़ाई के लिए डेढ़ लाख रूपये स्वीकृत

मुख्यमंत्री ने कुमारी ज्योति साहू को बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई के फीस के लिए 1 लाख 50 हजार रूपए प्रदान करने की स्वीकृति दी।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों से चर्चा

मुख्यमंत्री भेंट-मुलाकात के दौरान स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के बच्चों से भी रू-ब-रू हुए। बच्चों से बातचीत की। बीपी पुजारी अंग्रेजी माध्यम की छात्रा एलिसा मसीह ने बताया कि मैं छठवीं कक्षा में थी तो पिता जी का देहांत हो गया था। घर की परिवार की स्थिति ठीक नहीं थी। किन्तु राज्य सरकार की स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना के अंतर्गत मुझे अंग्रेजी माध्यम स्कूल में दाखिला मिला। एलिसा ने मुख्यमंत्री को बेहतर शिक्षा की सुविधा दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। अर्पिता गुप्ता ने बताया कि आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में लाईब्रेरी, लैब, खेल मैदान आदि की अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सभी टीचर सपोर्टिव हैं और अच्छे ढ़ंग से पढ़ाते हैं।

अब रस्सी कूद भी छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में

रितिक वर्मा में रस्सी कुद खेल को भी छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में शामिल करने का मुख्यमंत्री से अपील की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए रस्सी कुद खेल को भी छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में शामिल करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए रस्सी कूद खेल को भी छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में शामिल करने अधिकारियों ने निर्देश किया।

आसानी से हो रहा मकान नियमितिकरण

भेंट-मुलाकात के दौरान श्री मनोज राठी ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य सरकार की नवीन मकान नियमितिकरण योजना के तहत् हाल में ही आवेदन किया और तुरंत नियमितिकरण के लिए पास हो गया। श्री रामचंद्र लालवानी ने बताया कि शासन की शुरू की गई नियमितिकरण योजना काफी अच्छी है। इससे लोगों को काफी राहत मिल रही है।

कैंसर के इलाज के लिए मिले 5.5 लाख रुपए

भेंट-मुलाकात के दौरान देवानन्द साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से पत्नी को हुए ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के लिए शासन द्वारा 5.5 लाख रुपए से अधिक की राशि प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखा पत्र

आरक्षण के संशोधित प्रावधान को संविधान की नवमी अनुसूची में शामिल करने का किया अनुरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा दिसम्बर 2022 में राज्य के विभिन्न वर्गों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और ई.डब्ल्यू.एस. के लोगों को जनसंख्या के आधार पर आरक्षण देने के उद्देश्य से पारित विधेयक के अनुसार आरक्षण के संशोधित प्रावधान को संविधान की नवमीं सूची में शामिल करने का आग्रह किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा दिसम्बर 2022 में पारित आरक्षण (संशोधन) विधेयक में राज्य में अनुसूचित जाति को 13 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत और ई.डब्ल्यू.एस. को 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

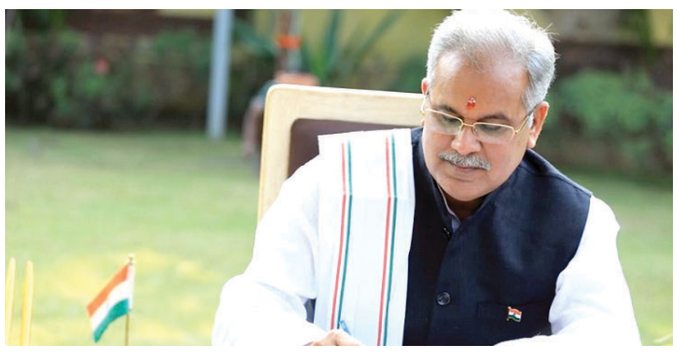

मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए आरक्षण के संशोधित प्रावधान को नवमीं सूची में शामिल कराए जाने से ही वंचितों एवं पिछड़े वर्ग के लोगों को न्याय प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से इसके लिए सर्वसंबंधितों को निर्देशित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ की कुल आबादी में 32 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 13 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 42 प्रतिशत लोग शामिल हैं। राज्य का 44 प्रतिशत भाग वनों से आच्छादित है तथा बड़ा भू-भाग दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से घिरा हुआ है। इन सब कारणों से ही राज्य के मैदानी क्षेत्रों को छोड़कर अन्य भागों में आर्थिक गतिविधियां संचालित करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 2012 की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में गरीबों की संख्या देश में सर्वाधिक (40 प्रतिशत लगभग) थी। राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की सामाजिक-आर्थिक तथा शैक्षणिक दशा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की तरह ही कमजोर है। इन वर्गों के 3/4 भाग कृषक सीमांत एवं लघु कृषक हैं तथा इनमें बड़ी संख्या में खेतिहर मजदूर भी हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि राज्य में वर्ष 2013 से अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों हेतु क्रमश: 12, 32 एवं 14 प्रतिशत (कुल 58 प्रतिशत) आरक्षण का प्रावधान किया गया था, जिसे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2022 में निरस्त किया गया। राज्य की विधानसभा द्वारा दिसम्बर 2022 में पुन: सर्वसम्मति से विधेयक पारित कर विभिन्न वर्गों की जनसंख्या के आधार पर अजा, अजजा, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ई.डब्ल्यू. एस. के लोगों के लिये आरक्षण का संशोधित प्रतिशत क्रमश: 13, 32, 27 एवं 4 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया। यह विधेयक वर्तमान में महामहिम राज्यपाल के पास अनुमोदन हेतु लंबित है। सर्वाच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ द्वारा नवम्बर 2022 में ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय को वैध ठहराये जाने से आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। विगत माह में झारखंड एवं कर्नाटक विधानसभा में विभिन्न वर्गों हेतु आरक्षण का प्रतिशत 50 से अधिक करने के प्रस्ताव पारित किये गये हैं। यह उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु राज्य, जहां प्रति व्यक्ति आय छत्तीसगढ़ से बहुत अधिक है, में तथा पूर्वात्तर के अनेक राज्यों में जनजातियों एवं पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक है। छत्तीसगढ़ राज्य की भी विशेष परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए संशोधित प्रावधान को संविधान की नवमी अनुसूची में शामिल कराये जाने से ही वंचितों एवं पिछड़े वर्गों के लोगों को न्याय प्राप्त हो सकेगा। अनुरोध है कि इस हेतु सर्व संबंधितों को निर्देशित करने का कष्ट करें।

संयुक्त राष्ट्र में स्थाई मिशन की प्रथम सचिव बरखा ताम्रकार छत्तीसगढ़ के खुबियों को करेंगे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन की प्रथम सचिव सुश्री बरखा ताम्रकार ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से ब्रांड छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के विषय पर विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री को चर्चा के दौरान सुश्री ताम्रकार ने बताया कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कला, खान-पान, वन एवं जैविक उत्पाद, पर्यटन स्थल आदि बहुत खास हैं। छत्तीसगढ़ की इन्हीं खूबियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोमोट करने पर राज्य एक ब्रांड के रूप में उभरेगा। सुश्री ताम्रकार ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोदो-कुटकी, रागी आदि मिलेट्स को बढ़ावा देने किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष भी घोषित किया है। छत्तीसगढ़ में मिलेट्स के लिए उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल को सुश्री ताम्रकार ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अनूठी है। अंतरराष्ट्रीय दूतावासों के उच्च अधिकारियों के विशेष टूर आयोजित कर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव द्वारा विदेशी नागरिक यहां की विशेषताओं को जान सकेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के युवाओं को संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं में इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए भेजा जाना चाहिए, इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय एक्स्पोज़र मिलेगा। छत्तीसगढ़ बोर्ड के पाठ्यक्रम में एक विदेशी भाषा भी सिखाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने रायपुर त्रिमूर्ति नगर निवासी कौशल्या सोनी के घर स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन का लिया आनंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत आज रायपुर उत्तर विधानसभा के अंतर्गत त्रिमूर्ति नगर स्थित कौशल्या सोनी के घर पहुंचे।

मुख्यमंत्री पंडरी में अपने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के बाद सुश्री सोनी के आतिथ्य में भोजन के लिए उनके घर आए, मुख्यमंत्री का सुश्री सोनी के परिवारजनों ने घर के मुख्य द्वार पर तिलक-आरती किया और पुष्प-गुच्छ तथा गमछा भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ रायपुर उत्तर विधायक श्री कुलदीप जुनेजा,नगर निगम महापौर श्री एज़ाज़ ढेबर एवं अन्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सोनी परिवार के सदस्यों द्वारा सादगी के साथ परोसे गए स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन का स्वाद लिया।परिवार ने पूरी आत्मीयता के साथ मुख्यमंत्री को भोजन में चावल, दाल, रोटी के साथ चौलाई भाजी, लाल भाजी,बोहार भाजी, मुनगा-बड़ी की सब्जी, खट्टा जिमी कंद और कद्दू, सलाद और पापड़ भी परोसा। मुख्यमंत्री जी के साथ भोजन करके सोनी परिवार गदगद हो रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन के लिए सुश्री सोनी एवं उनके परिजनों को उपहार भेंटकर धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री को अपने आतिथ्य में परिवार के बीच बैठकर भोजन करता पाकर परिवारजन खुशी से गदगद थे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

अतिशीघ्र आवश्यकता है
एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school , Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

जन चौपाल में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में रायपुर के अपर कलेक्टर श्री बी.सी साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। श्री साहू ने जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो से आए नागरिकों, ग्रामीणजनों, महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उन आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज जनचौपाल ग्राम कुर्रा की सुनीता पटेल ने राशन कार्ड बनवाने, ग्राम तामासिवनी के राजीव युवा मितान क्लब के उपाध्यक्ष चितरंजन लाल साहू ने मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना अंतर्गत गांव में सीसी रोड निर्माण कराने, ग्राम धनसुली के धनेश यादव और गोगांव निवासी लक्ष्मण बारले ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने, तेलीबांधा निवासी भारती निषाद ने अपने पुत्री के ईलाज हेतु, कुशालपुर के संतोष बाघ ने वृन्दावन नगर में विद्युत खंभों में लाईट लगवाने आवेदन दिया। इसी प्रकार देवपुरी के स्वप्निल दीप ने देवपुरी में गार्डन के सौंदर्यीकरण, सुलभ-शौचालय निर्माण, एलईडी स्ट्रीट लाईट लगवाने और पक्का नाली निर्माण कराने, नक्टी खपरी निवासी चैतुराम जांगडे और गौतराम ढिढ़ी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, नंदी चौक निवासी लक्ष्मी चौबे ने अपने प्लॉट से अवैध कब्जा हटाने, अभनपुर निवासी पुरूषोत्तम श्रीवास्तव ने अपनी पैतृक भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण पर रोक लगाने, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दीवान ने ग्राम अकोली में पानी टंकी हेतु नया पंप, पाईप और पैनल बोर्ड लगवाने आवेदन दिया। इसी तरह अन्य लोगों ने भी अपनी शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए।

आरडीए ने सरचार्ज राशि जमा करने फिर बढाई तिथि, 30 तक मिलेगी सरचार्ज में छूट

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण में सरचार्ज में दी जा रही 30 से 50 प्रतिशत की छूट की अवधि को अब 17 अप्रैल से बढ़ा कर 30 अप्रैल तक कर दिया गया है। प्राधिकरण के अध्यक्ष सुभाष धुप्पड़, उपाध्यक्षव्दय सूर्यमणिम मिश्रा व श्री शिव सिंह ठाकुर संचालक मंडल के संचालक मंडल के सदस्य राजेन्द्र पप्पू बंजारे, ममता रॉय, हिरेद्र देवांगन, मुकेश साहू, और चन्द्रवती साहू ने जनता की बार बार आर रही मांग को स्वीकार करते हुए एक मुश्त बकाया राशि के सरचार्ज राशि के भुगतान की अंतिम तिथि को बढ़ा कर 30 अप्रैल 2023 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने पिछले माह से एक अतिरिक्त कैश कैश काऊन्टर स्थापित कर राशि जमा करने की सुविधा बढ़ाई थी। कैश कॉऊन्टर में शाम 5.30 बजे तक नगद,चेक और ड्रॉफ्ट से भुगतान किया जा सकता है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी धर्मेश साहू के अनुसार आवंटितियों की सुविधा के साथ उनकी आर्थिक बचत की सुविधा के लिए यह तिथि बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि आवंटिति बकाया राशि का भुगतान योजनावार निर्धारित बैंकों में ऑनलाईन भी जमा कर सकते है।

कांग्रेस की संभागीय बैठक 19 एवं 20 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम दिनांक 19 अप्रैल को दोपहर 12 बजे राजीव भवन, रायपुर में रायपुर संभाग तथा 20 अप्रैल 2023 को दोपहर 12 बजे राजीव भवन दुर्ग में समस्त जिला, शहर, नगर, ब्लाक, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों, सांसद, विधायक, जिला प्रभारी पदाधिकारी की बैठक लेकर बूथ सेक्टर जोन कमेटियों के गठन की समीक्षा करेंगे। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह-प्रभारी विजय जांगिड़ एवं प्रभारी बूथ प्रबंधन कमेटी अरूण सिसोदिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री बघेल ने पंडरी ऑक्सीजोन में शहीद नंदकुमार पटेल की आदमकद प्रतिमा का किया अनावरण

शहीद नंदकुमार पटेल किसान, मजदूर, आदिवासी, महिला, युवाओं के अधिकारों के लिए सदैव मुखर रहेः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शाम विधानसभा रायपुर उत्तर में भेंट-मुलाकात अभियान के अवसर पर पंडरी ऑक्सीजोन में स्थापित शहीद नंदकुमार पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने इस अवसर पर शहीद नंदकुमार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्थापित पंच धातु से निर्मित इस प्रतिमा का वजन 400 किलोग्राम तथा ऊंचाई 9 फीट है। इस प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण हेतु आकर्षक रोशनी व्यवस्था के अलावा मिनी उद्यान भी तैयार किया गया है। बैठक व्यवस्था के साथ ही रेड सैण्ड स्टोन से इस स्थल को खूबसूरती दी गई है। इस कार्य की कुल लागत 80 लाख रूपए है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर शहर के पंडरी स्थित ऑक्सीजोन के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने पूर्व मंत्री तथा विधायक शहीद नंद कुमार पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहीद नंद कुमार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। उल्लेखनीय है कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा यह प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसकी ऊंचाई 9 फ़ीट है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रतिमा अनावरण उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद नंदकुमार पटेल की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए शहीद नंदकुमार विश्वविद्यालय का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि शहीद नंदकुमार पटेल किसान, मजदूर, आदिवासी, महिला, युवाओं के अधिकारों के लिए सदैव मुखर रहे। वे सहज, सरल और कर्मठ स्वभाव के थे और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए सदैव तत्पर रहे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि शहीद नंदकुमार पटेल जी ने जिस समृद्ध छत्तीसगढ़ की संकल्पना की थी, आज छत्तीसगढ़ उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। सभी वर्गों के उत्थान तथा कल्याण के लिए हमारी सरकार किए जा रहे कार्यों से सकारात्मक परिवर्तन आया है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

गौरतलब है कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, मिलनसार व सामाजिक, राजनैतिक परिदृश्य में सदैव अपनी आभा बिखेरने वाले छत्तीसगढ़ के सपूत शहीद नंदकुमार पटेल जी का जन्म 08 नवंबर 1953 को रायगढ़ के ग्राम नंदेली में हुआ। मूलतः कृषक परिवार से ताल्लुक रखने वाले श्री पटेल के मन कर्म एवं वचन से ठेठ छत्तीसगढ़िया संस्कारों की झलक साफ दिखाई देती थी। गांव को खुशहाली, तरक्की व संसाधनों से जोड़ने उनके सद्प्रयासों की झलक न केवल उनके गांव नंदेली, बल्कि हर उस अंचल में दिखाई देती है, जहां श्री पटेल अपने आत्मीय व्यवहार कुशलता से लोगों के बीच पहुंचते रहे। गांव के सरपंच से केबिनेट मंत्री और अन्य सभी उच्च आसीन पदों को सुशोभित करते हुए उन्होंने अपनी ईमानदारी, परिश्रम व सहजता से हमेशा पद का मान बढ़ाया।

श्री पटेल खरसिया विधानसभा से पांच बार विधायक निर्वाचित हुए। अविभाजित मध्यप्रदेश के मंत्रीमंडल में आप सम्मानित सदस्य रहें एवं छत्तीसगढ़ गठन के उपरांत राज्य के प्रथम गृह मंत्री होने का गौरव उनको प्राप्त है। समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का परम लक्ष्य लेकर पटेल सदैव राजनैतिक व सामाजिक रूप से अत्यधिक प्रतिष्ठित रहें। 25 मई 2013 को झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में श्री पटेल शहीद हुए।

इस अवसर पर कृषि मंत्री और रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री रविन्द्र चौबे, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेन्द्र छाबड़ा, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, रायपुर महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे सहित वरिष्ठजन एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षाः मुख्य सचिव ने की राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यो की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत राज्य के सभी जिलों में पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए जरूरी निर्देश राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिये है। योजना के तहत हितग्राहियों को अब तक 516 करोड़ रूपये से अधिक की राशि हस्तांरित कर दी गई है। योजना में वर्तमान में चार लाख 99 हजार 756 हितग्राही है। यह योजना एक अप्रैल 2023 से राज्य की सभी नगर पंचायतों में भी लागू कर दी गई है। नगर पंचायतों से अब तक 7377 हितग्राहियों के आवेदन आ चुके है। नगर पंचायतों में प्रति-दिन हजारो की संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे है। मुख्य सचिव ने सभी नये हितग्राहियों को पात्रानुसार राजीव गांधी भूमिहीन कृषि न्याय योजना के तहत लाभांवित करने के निर्देश राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिये है। मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को सभी राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा मे निराकरण करने कहा है। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को नजूल पटटों की भूमि को फ्री होल्ड करने के लिए विशेष प्रयास करने कहा है। उन्होंने कहा है कि सभी शहरों में नजूल पटटाधारियों को भूमि फ्री होल्ड करने के लिए उन्हें आवश्यक जानकारी दी जाये। बैठक में शहरी स्लम पटटों के नियमितीकरण, नवीनीकरण, नवीन स्लम पटटों के वितरण करने और 7500 वर्ग फुट तक की शासकीय भूमि के आबंटन एवं नियमितीकरण के तहत की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी राजस्व विभाग के अधिकारियों से ली गई। राजस्व प्रकरणों में अभिवादित नामांतरण, बटवारा, खाता विभाजन सहित अन्य राजस्व प्रकरण को समय-सीमा में निराकृत करने कहा है, यदि कोई प्रकरण समय-सीमा में निराकृत नही हुआ है तो उसका कारण अंकित किया जाये।

मुख्य सचिव ने सभी जिलों कलेक्टरों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण की लगातार मॉनीटरिंग करने कहा है। इसी तरह से राजस्व प्राप्तियां के तहत सरकारी राजस्व में वृद्धि के लिए निर्धारित राजस्व वसूली के लिए विशेष प्रयास करने अधिकारियों से कहा गया है। बैठक में राजस्व विभाग के सचिव एन.एन एक्का, संचालक भू-अभिलेख रमेश शर्मा सहित राजस्व विभाग और उद्योग विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

छात्रवृत्ति के लिए बैंक खाता-आधार सीडिंग का अंतिम मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपने बैंक खाते को आधार नम्बर से लिंक कराने से वंचित रह गये छात्र-छात्राओं को आधार सीडिंग का अंतिम मौका दिया जा रहा है। ऐसे सभी छात्र-छात्राओं को 20 अप्रैल तक अपने बैंक खातों को अपने आधार नम्बर से लिंक कराना होगा। जिले के आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि महाविद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति देने की योजना संचालित की जा रही है। पिछले वर्ष कई विद्यार्थियों के बैंक खाते उनके आधार नम्बरों से लिंक नहीं होने के कारण छात्रवृत्ति राशि का आहरण नहीं हो सका था। ऐसे सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि प्राप्त करने के लिए अंतिम मौका देकर बैंक खाते को अपने आधार नम्बर से लिंक कराने के निर्देश जारी किए गए है। छात्रवृत्ति से वंचित विद्यार्थी 20 अप्रैल 2023 तक आधार सीडिंग कराकर अपने संस्था प्रमुख को सूचित करेंगे। संस्था प्रमुख द्वारा आदिवासी विकास विभाग के जिला कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने पर छात्रवृत्ति की राशि का आहरण कर विद्यार्थियों के खाते में जमा की जाएगी। निर्धारित तिथि 20 अप्रैल तक आधार सीडिंग नहीं कराने से छात्रवृत्ति से वंचित विद्यार्थी इसके स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा काली मंदिर के पास लाइब्रेरी के लिए 6 लाख रूपए स्वीकृत करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय परिसर में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अनेक सामाजिक संगठनों और प्रतिनिधि मंडलों ने भेंट-मुलाकात की। सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगों को रखा। मुख्यमंत्री से अनेक सामाजिक संगठनों ने सामाजिक भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने और भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग मांगा। जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें शासकीय जमीन के मूल्य की 10 से 15 प्रतिशत राशि की दर से जमीन क्रय कर रजिस्ट्री कराने को कहा। इसके उपरांत उन्होंने भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी काली मंदिर के पास लाइब्रेरी के लिए 6 लाख रूपए स्वीकृत करने की घोषणा की। डब्ल्यूआरएस कालोनी निवासी श्रीमती सरस्वती वर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी बेटी अग्रिमा वर्मा राजस्थान में मनोविज्ञान में पीजी कर रही है। उन्होंने बेटी की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद मांगी। मुख्यमंत्री ने दो लाख रूपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गुजराती ब्रम्ह समाज को सामाजिक भवन के लिए आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। इसाई समाज की मांग पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सेंटपाल स्कूल बैरन बाजार के जीर्णोद्धार के लिए 20 लाख रूपए की सहयोग राशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान केरला समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मंदिर, भवन आदि के लिए जमीन की मांग की। मुख्यमंत्री का लोधी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने नवा रायपुर सेक्टर-15 में चौक का नामकरण रानी अवंती बाई के नाम करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल ने जिला अस्पताल का नामकरण वीरांगना रानी अवंति बाई के नाम पर करने की मांग भी की। बंगाली समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपकी सरकार अच्छा काम कर रही है और शासन की योजनाओं से लोगों को लाभ हो रहा है। सिंधी समाज ने चेट्रीचण्ड्र महोत्सव पर शासकीय अवकाश घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री को नर्सिंग-डे के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने धोबी समाज के लिए सुंदरघाट निर्माण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री निवास में विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों से भेंट के दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, महापौर एजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद, कमिश्नर रायपुर श्री यशवंत कुमार, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे, पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गांडा समाज, उत्कल समाज, बौद्ध समाज, यादव समाज, कुर्मी समाज, जैन समाज, सिक्ख समाज, सतनामी समाज के प्रतिनिधियों ने भी मुलाकात की।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीना ही सबसे बड़ा धर्म है

हम जब भी धर्म के बारे में सोचते या बात करते हैं, तो हमारे भीतर धार्मिक स्थान और ईश्वर का ही विचार सबसे पहले आता है। लेकिन धर्म इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। अगर हम स्वयं को और संपूर्ण मानवता को जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करें तो यही धर्म है। असल में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीना ही सबसे बड़ा धर्म है

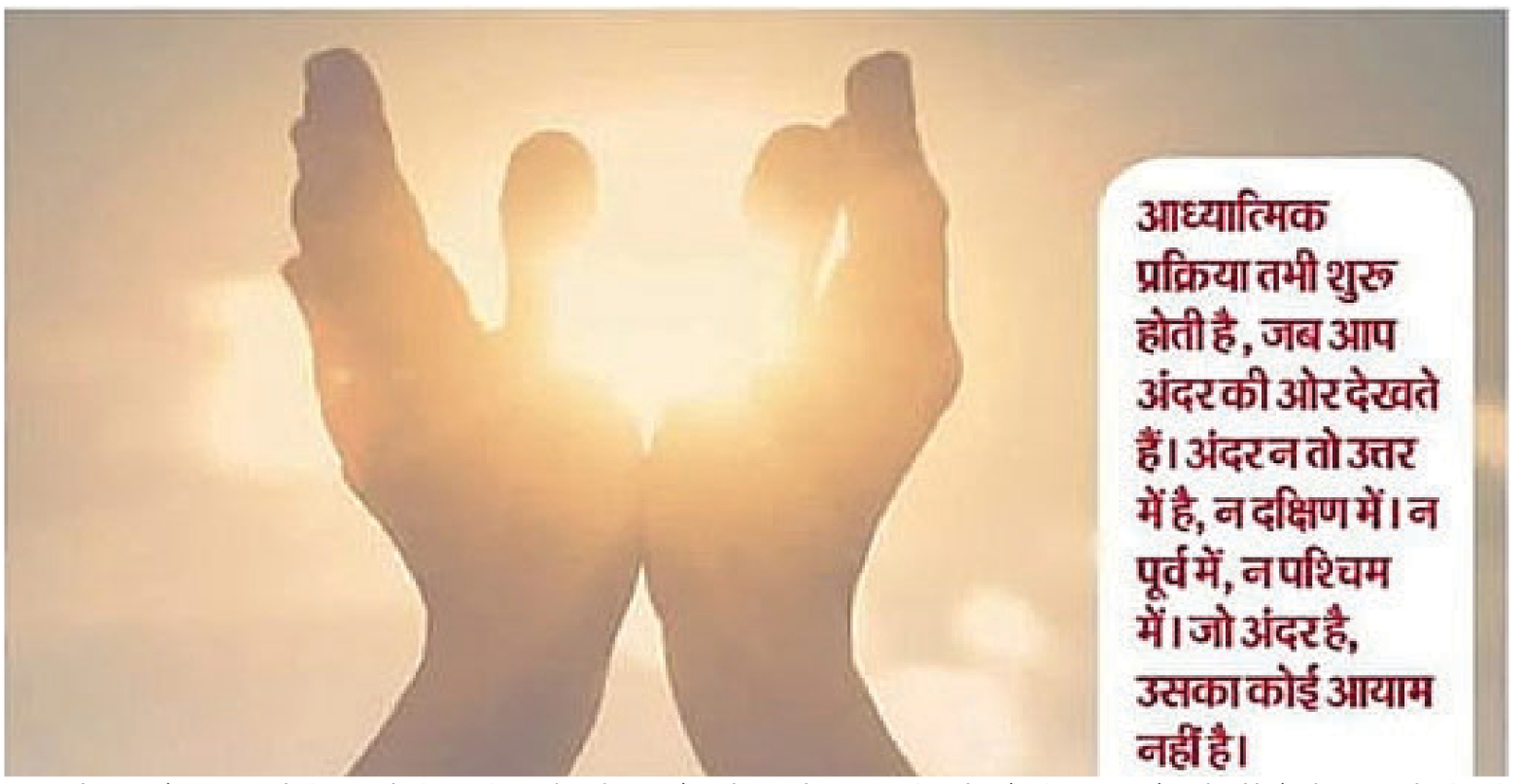

कहीं-न-कहीं, सभी धर्मों की शुरुआत आध्यात्मिक प्रक्रिया के रूप में हुई। पर, अपने को संगठित करने की उत्सुकता में उनकी मूल बातें खो गईं। धर्म क्या है— वे आध्यात्मिकता जो खराब हो चुकी है! आइए, हम धर्म और आध्यात्मिकता के बीच के अंतर को समझें। जब आप अपने आपको किसी धर्म के साथ जोड़ते हैं, तो आप अपने आपको विश्वास करने वाला घोषित कर देते हैं। पर जब, 'मैं आध्यात्मिक मार्ग पर हूं,' आप ऐसा कहते हैं तो आप अपने आपको जानने की इच्छा रखने वाला, जिज्ञासु कहते हैं। तो विश्वास करने और जिज्ञासा करने, जानने-खोजने में क्या अंतर है?

आप सिर्फ उसी चीज को खोज सकते हैं, जिसे आप जानते नहीं हैं या दूसरे शब्दों में, खोजने-जानने की प्रक्रिया की मूल बात यह है कि आपने यह समझ लिया है कि आप अपने जीवन का मूल स्वभाव नहीं जानते हैं। आप नहीं जानते कि आप कौन हैं, क्या हैं, कहां से आए हैं और कहां जाएंगे?

आध्यात्मिक प्रक्रिया में सबसे पहली और महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने ही साथ पूरी तरह से ईमानदार हों, और ये स्वीकार करने को तैयार हों कि मैं 'जो जानता हूं', वो जानता हूं और 'जो नहीं जानता', वो नहीं जानता। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसने क्या कहा, चाहे कृष्ण, जीसस, बुद्ध या और किसी ने भी कुछ भी कहा हो— हो सकता है कि वे सत्य ही कह रहे हों— और उनके लिए हमारे अंदर पूरा सम्मान है— पर, आप नहीं जानते, आपने इसका अनुभव नहीं किया है, आपने इसे देखा नहीं है!

आप पूरी तरह से ईमानदार क्यों नहीं हो सकते कि आप नहीं जानते? 'मैं नहीं जानता', इसमें एक जबर्दस्त संभावना है। यही है जानने का आधार। जब आप स्वीकार करते हैं कि आप नहीं जानते, तभी जानने की संभावना खुलती है। जैसे ही आप इस संभावना को अपने विश्वास से— जो आपके लिए सुविधाजनक है— तोड़ देते हैं, तो आप जानने की सारी संभावनाओं को खत्म कर देते हैं। आप ऊपर देखते हैं या नीचे देखते हैं या अपने चारों ओर देखते हैं, इससे आपके लिए कोई आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू नहीं होती।

आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है, जब आप अंदर की ओर देखते हैं। अंदर न तो उत्तर में है, न दक्षिण में। न पूर्व में, न पश्चिम में। जो अंदर है, उसका कोई आयाम नहीं है। बिना आयाम की चीज तक वही पहुंच सकता है, जो अपने अंदर एकदम ईमानदार हो। दूसरों के लिए ईमानदार होने को मैं आपसे नहीं कह रहा— इसमें बहुत-सी समस्याएं हो सकती हैं। मैं तो आपसे खुद के साथ ईमानदार होने के लिए कह रहा हूं।

बहुत लंबे समय से हम सोचते रहे हैं कि अगर कुछ सही है तो वो हमारी वजह से है, और जो कुछ भी गलत है, वो ईश्वर की वजह से है। अब इस सोच को बदलने का समय आ गया है। हमें यह समझना होगा कि हमारी सभी समस्याओं का स्रोत हमारे अंदर ही है और अगर, हमें समाधान चाहिए तो वो और कहीं नहीं है, हमारे अंदर ही उपलब्ध है। मूल रूप से इसका मतलब यही है कि मानवता अब धीरे-धीरे धर्म से जिम्मेदारी की तरफ बढ़ने लगी है।

नहीं तो, हर किसी के पास उसके द्वारा की जा रही सारी बकवास, उसके खुद के सारे गलत कामों के लिए बहाने भी हैं, और ईश्वर की मंजूरी भी है। मानवीय बुद्धिमत्ता का स्वभाव यह है कि अगर आज आप कोई बेवकूफी भरा काम करते हैं, तो रात में ही आप की बुद्धिमत्ता आपको परेशान करेगी —'मैंने यह क्यों किया?' पर, अगर ये आपके भगवान या शास्त्रों की सम्मति से है तो आप पूरे आत्मविश्वास के साथ बेवकूफी भरे काम कर सकते हैं। यह सब बंद होना जरूरी है। हमें मानवता को धर्म की ओर से ज्यादा जिम्मेदारी की ओर ले जाना होगा।

उपलब्धियों से परे खुद को देखिए

जो कुछ आपने हासिल किया, उसके बिना आप क्या हैं? नौकरी, पद या फिर इनसे जुड़े आपके परिचय के बिना आप खुद को कैसे देखते हैं? क्या आप अपनी अहमियत को भौतिक चीजों से ही मापते हैं? अगर हां, तो समझिए कि उसके बिना भी आप बहुत कुछ हैं, जिसे जानने के लिए भीतर मुड़ना होगा।

हमारी धारणाओं की जड़ें कई बार गहरी होती हैं। उनकी छाप इतनी महीन होती है कि हम अपनी प्रतिक्रियाओं पर उनके स्पष्ट असर को देख ही नहीं पाते। तब अपनी सोच बदलने के लिए हमें मेहनत करनी पड़ती है। अपने नजरिये को बदलने, नई सोच का निर्माण करने, बचपन की यादों का नया मतलब निकालने के लिए सहयोग की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अपने प्रिय लोगों, दोस्तों, कोच या थेरेपिस्ट की मदद लेने से पीछे न हटें।

महत्वाकांक्षी महिला होने के नाते मेरे लिए अपने काम से अलग होना मुश्किल होता है। नौकरी के दौरान मुझे दो बार ऑफिस से ब्रेक लेने की जरूरत महसूस हुई। जब भी छुट्टी लेनी होती, मैं असहज महसूस करने लगती। हर बार यह सोचती कि जो मैं कर रही हूं, अगर नहीं कर रही होती तो समाज में मेरी क्या अहमियत होती? मैंने अपनी अहमियत पर नियम और शर्तें लगा दीं कि मैं तभी एक कामयाब महिला बन सकती हूं, जब मैं उस क्षेत्र में आगे रहूंगी, जिसे समाज में अच्छा माना गया है। ऊंचाइयों तक ले जाने वाला करियर, ज्यादा पैसे कमाना, शादी करना, अच्छी मां बनना, मेरा खूबसूरत होना... ये कुछ शर्तें थीं, जिनके आधार पर मैं खुद को एक कामयाब महिला के तौर पर देखती थी। जिनके होने पर मुझे लगता कि मैं खुद को प्रेम कर सकती हूं या मुझे दूसरों से प्रेम मिल सकता है।

मैंने ऐसा किया भी। मैंने अमेरिका की अच्छी यूनिवर्सिटी से साइंस में मास्टर्स किया, नामी विश्वविद्यालय से एमबीए की, मुझे अच्छी नौकरी मिल गई तो अहमियत और भी बढ़ गई। मैं एक रिश्ते में थी, मैं फिट थी, सक्रिय थी, मेरा सामाजिक जीवन बहुत अच्छा था। पर, अंदर से मैं बिल्कुल संतुष्ट नहीं थी। मैं अकसर परेशान हो जाती थी और उदास रहती थी। मैं दूसरों से, अपने तय मानकों से खुद की तुलना करती रहती थी। हर बार लगता कि यह सब पर्याप्त नहीं है।

ऐसा केवल मेरे साथ ही नहीं हुआ है। मैंने बहुत से ऐसे सफल लोगों का मार्गदर्शन किया है, जिन्हें लगता है कि वे अपनी अहमियत खो चुके हैं। या फिर बाहर से बेहद सफल दिखने के बावजूद वे खुद से नाखुश रहते हैं।

क्यों उपलब्धियों को देते हैं हम इतना भाव

बचपन में किसी भी खेल को जीतने या अच्छे अंक लाने पर माता-पिता हमें देखकर मुस्कुरा देते थे, हमें प्रोत्साहित करते थे, थपकी देते थे। वहीं खराब प्रदर्शन करने पर डांट पड़ती थी। समाज के तय नियमों वाली खूबसूरती के अनुसार शरीर का आकार न होने पर हमें टोका जाता था। ऐसे में हमें यही लगता कि अपने माता-पिता का, दूसरों का प्यार पाने के लिए हमारा खास तरह का होना जरूरी है। ऐसे में जब हम कुछ हासिल करने से रह जाते, तब उस पल अधूरा महसूस होता, माता-पिता से मिलने वाले प्रेम में कमी दिखाई देती। धीरे-धीरे यह बात मन में बैठ जाती कि हम प्यार पाने के काबिल नहीं है।

एक बच्चे का दिमाग यह नहीं समझ पाता कि उससे कौन-सी गलती हुई है और कौन-सी गलती स्वाभाविक तौर पर हो जाती है। इस स्थिति से जूझते हुए एक बच्चा सबसे ज्यादा तकलीफ महसूस करता है। हर समय मिलने वाली अस्वीकृति उसे तोड़ कर रख देती है। वे सभी लम्हें दिमाग में यादों के तौर पर जमा हो जाते हैं, जिनका असर हमारे शरीर, भावनाओं और शारीरिक प्रतिक्रियाओं के तौर पर नजर आता है। हर बार नाकामयाबी आने पर मन आत्म ग्लानि से भर जाता है। और अगर यह दर्द गहरा हो तो शरीर और दिमाग के बीच का संतुलन ही बिगड़ जाता है। यह एक बड़ा मुद्दा है, जिस पर अलग से बात करनी चाहिए। कुल मिलाकर, रिवार्ड हमारे लिए सब कुछ हो जाता है। किसी भी तरह हमें खुद को साबित करना होता है और जताना होता है कि हां हम कामयाब हैं। लेकिन, तब क्या जब हमें जॉब नहीं मिलती या हम उसे गंवा देते हैं। या करियर में हम आगे नहीं बढ़ पाते या हमें उतने ग्राहक नहीं मिलते, जितने मिलने चाहिए या आपके प्रदर्शन से बॉस खुश नहीं होता। ऐसे में कई बार आप खुद को अकेला महसूस करते हैं। शुरू में आपके अपने यह सुरक्षा भाव देने की कोशिश करते हैं कि आप गलत सोच रहे हैं। आपके पास जो है, उसके लिए शुक्रगुजार होना चाहिए। कई बार आप अपनी कमी छुपाने के लिए दूसरों को दोष देना शुरू कर देते हैं।

यह भावना कि हम प्यार के काबिल नहीं हैं, गहरा दर्द देती है। जब भी अस्वीकृति से सामना होता है, वही चोट खाया हुआ बच्चा आपमें फिर से जागने लगता है और बचपन के पुराने दर्द याद आने लगते हैं। आप बाहरी तत्वों से अपनी अहमियत जोड़ने लगते हैं। मैं बताना चाहती हूं कि जीने के और भी बेहतर तरीके हैं। इससे आप सुखी महसूस करेंगे, गुस्सा नहीं आएगा और न ही चोट खाया बचपन बार-बार याद आएगा। और इसका हल अपनी भावनाओं को नकारना नहीं है। चूंकि, यह सभी समस्याएं, आपकी मान्यता और मूल्य से जुड़े होती हैं तो इससे आप बाहर भी निकल सकते हैं। बस आपको स्वयं को नए तरीके से देखना और स्वीकार करना होगा। तय करना होगा कि आपकी अहमियत दुनिया के बेकार नियमों द्वारा तय नहीं की जा सकती। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके आसपास के लोग कैसा करियर चुन रहे हैं या बाकी लोग क्या सोचते हैं। सच यही है कि इनमें से कोई बात मायने नहीं रखती है। जब आप अंदर से जंग लड़ रहे होते हैं, तब सभी उपलब्धियां, बड़ा मकान है, खुशहाल परिवार के मापदंड, खूबसूरत शरीर... आदि सब कुछ बेमानी हो जाते हैं। असल मायने आपकी आंतरिक ताकत के होते हैं।

तीन नियम...

1 हम दूसरों को दोष भले ही दे दें, पर बहुत सारी बातों में गलती हमारी ही होती है। हम खुद जाने-अनजाने ऐसी बातों को हवा दे देते हैं, जिनका आग की तरह फैलना हमें परेशान कर देता है। चिंतक खलील जिब्रान कहते हैं, ' अगर हम स्वयं अपने राज हवा को बता रहे हैं तो हमें हवा को उन्हें पेड़ों को बताने का दोष नहीं देना चाहिए।'

2 स्थिति कोई हो, हम डर या प्रेम में से किसी एक का चुनाव करते हैं। हमारा जन्म, मृत्यु और उसके बीच का हमारा जीवन सब प्रेम से जुड़े होने चाहिए। पर, इसके लिए हमें अपनी ऊर्जा और मंशा को एकाग्र करना होगा। रूमी कहते हैं, ' सभी संदेह, उदासी और डर बेमानी हो जाते हैं, जब जीवन की मंशा प्रेम बन जाती है।'

3 महानता चुटकियों में हासिल नहीं होती। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि छोटी शुरुआत करने से पीछे न हटें। महान कार्य उसके बाद होते हैं। साहसी बनें। दूसरों पर हावी होने की नहीं, उनकी सेवा करने की कोशिश करें। जीवन के प्रवाह में स्वार्थी होकर अनियंत्रित ढंग से बढ़ना अच्छे जहाजों को भी डुबा देता है।

खुशी जानती है आपका पता

हमने अपने दिमाग को तैयार ही ऐसे किया है कि हम खुश नहीं हैं और हमें खुशी हासिल करनी है। खुशी न होने का अभाव हम अपने ऊपर हमेशा लादे रहते हैं। हमें कहीं ढूंढ़ने की जरूरत नहीं होती, खुशियां हमें खुद ढूंढ़ लेती हैं, बशर्ते हम उसे मौका तो दें।

हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वो खुशी के लिए कर रहे हैं। पढ़ाई, नौकरी, घर, परिवार, रिश्ते सब हमारी खुशी की तलाश ही हैं। पर, खुशी है कि हमेशा दूर छिटक जाती है। रिश्ते बिखरे हुए नजर आते हैं, करियर से संतुष्टि नहीं मिलती, अपने लिए कोई ढंग की ठोर ही समझ नहीं आती। हम खुशियों के कोड को क्रैक करने में ही लगे रहते हैं।

बेस्टसेलर किताब 'द माउंटेन इस यू' की लेखिका ब्रायना वीस्ट कहती हैं, 'खुशी हमें खुद ढूंढ़ लेती है। ऐसे समय, ऐसे मोड़ पर जहां हमने सोचा नहीं होता। जब हर हिम्मत साथ छोड़ रही होती है, तब खुशी इस तरह अपनी जगह बना लेती है कि अचानक सब आंसू, नफे-नुकसान, दुख-दर्द एक प्रक्रिया लगते हैं। सवाल हल होने लगते हैं, चुनौतियां सबक बन जाती हैं, संघर्ष हमें अपने साहस और खास होने का अहसास कराते हैं।'

काश का आकाश

हमने अपने भीतर कई सारे काश, ढेर सारी इच्छाएं जमा की हुई हैं। जिसमें से कई इच्छाएं तो ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना बहुत कठिन भी नहीं है। बस, हमें फैसला करना है और कोशिशें करनी है। लेखक एलेक्स बर्केट कहते हैं, 'कोरी इच्छाएं जमा करते रहने से कहीं बेहतर और आसान है उन्हें पूरा करना। हम खुश नहीं होते, क्योंकि हम किए जाने वाले कामों को टालते रहते हैं। कहीं घूमने का मन है, तो घूमिए। सीखने का मन है तो सीखिए। दूसरी नौकरी या काम करना है तो उसके लिए कदम बढ़ाएं, खुद को तैयार करें। आज इंटरनेट के दौर में ये सब बहुत मुश्किल नहीं है।'

ज्यादातर समय कमी या तो हमारी इच्छा में होती है या फिर कोशिशों में। हो सकता है कि लगातार प्रयास करने के बाद भी आप कुछ हासिल नहीं कर पा रहे हों या चिंताओं से घिरे हों, रास्ता भटक गए हों, नहीं सूझ रहा हो कि अब क्या करें। पर, तब यह भरोसा खुद को दिलाते रहें कि आपका एक घर अपने दिल में भी है। उस ओर जाने, वहां रुकने और ठहरने से आपको कोई नहीं रोक सकता। कई बार बाहर से भीतर की ओर आकर ही पता चलता है कि खुशी पहले ही पालथी मारकर बैठे आपका इंतजार कर रही है। खुशी मंजिल नहीं, रास्ता है। हमें जब रास्ते की समझ आ जाती है, तब हर कदम जरूरी लगने लगता है। बहती नदी की तरह हर छोटे और बड़े गड्ढ़े को भरते हुए हम समुद्र की ओर बढ़ते जाते हैं।

बस, जब हमें अपनी सबसे ज्यादा जरूरत हो, हम अपना साथ न छोड़ें, प्रवाह में बने रहने की इच्छा बनाए रखें। हम वहां पहुंच जाएंगे, जहां हमारा पहुंचना जरूरी है।

-पूनम जैन

भरोसा

बगदाद के राजा राज्य का हाल जानने के लिए भेस बदलकर शहर में घूमते थे। उसका मानना था कि राजा के भेस में लोग उसे केवल सुंदर चीजें ही दिखाते हैं।

राजा हर दिन एक बूढ़े आदमी को देखता था। वह छोटे-छोटे पौधे लगा रहा होता था। सामान्य फूल वाले मौसमी पौधे नहीं, देवदार के पौधे, जो दो सौ फुट तक ऊंचे होते हैं, हजार साल से ज्यादा जीते हैं। देखने में सुंदर लगने वाले इन पेड़ों को उस ऊंचाई तक बढ़ने में ही सैकड़ों साल लग जाते हैं।

राजा बूढ़े को देखकर हैरान होता था। उसके कांपते हाथों को देखकर वह सोचता कि यह बूढ़ा इन देवदारों को क्यों लगा रहा है? वह तो उन पेड़ों का सौंदर्य कभी भी नहीं देख पाएगा। एक दिन राजा से नहीं रहा गया। वह बूढ़े के पास गया और कहा, 'मुझे दखल नहीं देना चाहिए, पर मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं।'

बूढ़े ने कहा, 'जरूर पूछिए।'

राजा ने कहा, 'आप इन वृक्षों को परिपक्व होते हुए कभी नहीं देख पाओगे; फिर इतनी मेहनत क्यों कर रहे हो?'

बूढ़े ने कहा, 'यदि मेरे पूर्वजों ने बीज न बोए होते, तो मैं मेरे बगीचे के उस पार के ऊंचे देवदार के वृक्षों को कभी नहीं देख पाता। मेरे पूर्वज भी आगे आने वाली पीढ़ियों, पेड़ को देखने, उसके नीचे खड़े होने वाले लोगों के बारे में कुछ नहीं जानते थे। पर, वे तब भी उदार बने रहे। उन्होंने उन वृक्षों के लिए कड़ी मेहनत की। ये पेड़ मुझे भी हिम्मत देते हैं। मैं भले ही इनकी सुंदरता नहीं देख पाऊंगा, पर आगे आने वाली पीढ़ियां जरूर ये देख पाएंगी। मैं अपने पूर्वजों की सोच को ही आगे बढ़ा रहा हूं। यदि वे आने वाले भविष्य पर, अज्ञात अतिथियों पर भरासा रख सकते हैं, तो मैं भी यह भरोसा कर सकता हूं।'

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आधार संचालकों की संभाग स्तरीय कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव। संभाग स्तरीय आधार कार्यशाला का आयोजन पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ राजनांदगांव में आयोजित किया गया। कार्यशाला में यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) एवं चिप्स कार्यालय के अधिकारियों द्वारा संभाग अंतर्गत कार्यरत आधार सुपरवाईजर एवं ऑपरेटर्स को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में यूआईडीएआई के श्री अनीस एवं रजिस्ट्रार कार्यालय चिप्स रायपुर के हर्ष कुमार, श्री नीलेश सोनी, श्री महेन्द्र तथा ईडीएम दुर्ग श्रुति अग्रवाल, ईडीएम राजनांदगांव श्री सौरभ मिश्रा, ईडीएम बालोद इंद्रजीत उपस्थित थे। कार्यशाला में आधार कार्ड पंजीयन एवं सुधार के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया। उनके जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आधार संचालकों को समय-समय पर जारी यूआइडीएआई के नियमों एवं संशोधनों की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में आने वाले समय में इन-हाऊस मॉडल के तहत केन्द्र संचालन के संबंध में बताया गया। कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों से पहुंचे प्रतिभागियों द्वारा नये नियमों का पालन करने तथा नियमानुसार कार्य करने की बात कही गई। कार्यशाला का संचालन सीएससी राजनांदगांव आशीष स्वर्णकार ने किया। प्रशिक्षण में राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद एवं कबीरधाम जिले के आधार केन्द्र संचालक उपस्थित थे।

बारिश के पहले नहर लाईनिंग के कार्य को करें पूर्ण : कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने जल संसाधन संभाग के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण और मरम्मत कार्यो की समीक्षा करते हुए सभी प्रगतिरत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में पैरी दांयी तट नहर के अंतर्गत नहर लाईनिंग के कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नहर लाईनिंग के कार्य में धीमी प्रगति होने पर विभागीय अधिकारियों पर गहरी नाराजगी जताई। कलेक्टर ने नहर लाईनिंग के सभी कार्यो में प्रगति लाते हुए कार्यो को बारिश सीजन से पहले पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी निर्माण कार्यो के निर्माण पूर्णता कार्यक्रम की सप्ताहवार प्रगति रिपोर्ट मांगी। कलेक्टर ने तय कार्यक्रम के हिसाब से सभी कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कार्य में विलंब होने पर ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के भी निर्देश दिये। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं सीएसईबी के अधिकारीगण मौजूद रहे। निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मलिक ने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए जिले के विद्युतविहीन गांवों और मजरा-टोलों की जानकारी ली। साथ ही ऐसे क्षेत्रों में सोलर ऊर्जा तथा ऊर्जा के अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों द्वारा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले के विद्युतविहीन क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये। जिससे बिजली पहुंचविहीन इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को भी बिजली का लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आईटीआई भवन कॉलेज, हाईस्कूल एवं शासकीय आवासों के निर्माण के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया और वर्क ऑर्डर की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेकर सभी कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार पीएमजीएसवाय द्वारा धवलपुर से जरनडीह, छिंदौला से अमलोर सड़क निर्माण कार्यो की जानकारी लेकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। भवन जीर्णोद्धार के कार्यो को भी समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया।

जी20 स्वास्थ्य कार्य समूह की दूसरी बैठक गोवा में हुआ आयोजित

भारत चिकित्सा पर्यटन का एक शीर्ष स्थल बन गया : श्रीपद नाइक

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। जी20 स्वास्थ्य कार्य समूह की दूसरी बैठक आज गोवा में आयोजित की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने उद्घाटन के अवसर पर मुख्यय भाषण और केंद्रीय पर्यटन, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने विशेष भाषण दिया। इस बैठक में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ.वी.के पॉल, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और जी20 सदस्य देशों, विशेष आमंत्रित देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, मंचों के अन्य प्रतिनिधि तथा भागीदार उपस्थित रहे।

डॉ. भारती प्रवीण पवार ने कहा कि भारत की जी20 प्राथमिकताएं संशोधित बहुपक्षवाद पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो 21वीं सदी की कई चुनौतियों से निपटने के लिए जवाबदेह, समावेशी, न्यायसंगत और प्रतिनिधि मंच का सृजन करती हैं। उन्होंनने वैश्विक स्वांस्य्े तैयारी में भारत की प्राथमिकताओं और योगदान पर जोर दिया। उन्होंनने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस संदेश को दोहराया कि भारत की जी20 अध्यउक्षता का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य उद्देश्य की एकता और कार्य की जरूरत को दर्शाता है और भारत वैक्सीन के लिए समान पहुंच, निदान, रोग चिकित्सार के साथ लचीली स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति प्रणालियों की दिशा में चल रही पहलों को समावेशी बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो कि कोई भी पीछे न छूट जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में चल रहे विचार-विमर्श की गति का लाभ उठाने की आवश्यकता है और सहयोगी निगरानी, सामुदायिक सुरक्षा, चिकित्सा के उपायों तक पहुंच एवं आपातकालीन तालमेल जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की भी आवश्यकता है। डॉ. पवार ने कहा कि हम इस बारे में कुछ निश्चित नहीं कह सकते कि अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति हमें कब प्रभावित कर सकती है। हम आईएनबी प्रक्रिया या आईएचआर सुधारों की प्रतीक्षा भी नहीं कर सकते है। डॉ. भारती पवार ने कहा कि उन्होंने वैश्विक प्रतिचिकित्सा समन्वबय मंच के साथ-साथ भविष्य के स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन, अनुसंधान एवं विकास नेटवर्क वैक्सीचन के विनिर्माण और रोग चिकित्सा के साथ-साथ निर्माण पर आम सहमति विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

श्रीपद नाइक ने स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन को बढ़ावा देने में हुई भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में पिछले एक साल में 14 लाख से अधिक चिकित्सा पर्यटक आए हैं, जिससे भारत चिकित्सा पर्यटन का एक शीर्ष स्थल बन गया है। उन्होंने प्रतिनिधियों से यह अनुरोध किया कि वे सामूहिक रूप से अधिक समग्र और स्थायी दृष्टिकोण स्था पित करने में योगदान दें। उन्हों्ने यह भी अनुरोध किया कि वे वैश्विक स्वास्थ्य संरचना के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक विचार-विमर्श में शामिल हों।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण ने महामारी के जोखिमों को कम करने के लिए卐एक स्वास्थ्य卐 दृष्टिकोण के माध्यम से विगत की तुलना में स्वास्थ्य प्रणालियों में बहुत अधिक निवेश करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने वैक्सीन और रोग चिकित्सा की उपलब्धता सुनिश्चित करके कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण को जारी रखने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां महामारी आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया के सभी पहलू महत्वपूर्ण हैं, वहीं इस महामारी की रोकथाम के लिए तैयारियों और प्रतिक्रया की तुलना में कम वित्तपोषण मिल रहा है। इसके बारे में उन्होंने कहा कि भारत निगरानी, प्रयोगशाला प्रणालियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यबल को मजबूती प्रदान करने के बारे में ध्योन केंद्रित करने के लिए महामारी कोष द्वारा प्रस्ताव करने के पहले आह्वान का स्वागत करता है।

सैनिक विश्राम गृह का हुआ लोकार्पण

निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड ने तीन हितग्राहियों को सम्मान स्वरूप चेक प्रदान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड ब्रिगेडियर विवेक शर्मा वीएसएम (से.नि.)के मुख्य आतिथ्य में आज सामुदायिक केन्द्र भवन, दीनदयाल फेज-2 रायगढ़ में सैनिक विश्राम गृह का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर ब्रिगेडियर शर्मा ने जिले के तीन हितग्राहियों को सम्मान स्वरूप चेक प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

जिनमें श्रीमती लोलेन लकड़ा को दाह संस्कार अनुदान हेतु 25 हजार रुपये, नायक लाल प्रसाद को 80 वर्ष पूर्ण करने पर सम्मान निधि के रूप में 30 हजार रूपये तथा भूतपूर्व सिपाही सुशील कुमार को दिव्यांग बच्चे हेतु 31 हजार 500 रुपये का अनुदान राशि चेक सौंपा गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आशीष पाण्डेय (से.नि.)ने बताया कि केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के प्रावधान अनुसार जिला मुख्यालयों में एक सैनिक विश्राम गृह की आवश्यकता होती है ताकि बुजुर्ग भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिवार के सदस्य चिकित्सा तथा अन्य कारणों से जब भी मुख्यालय आते है तो उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की जा सके। उक्त सैनिक विश्राम गृह आयुक्त नगर पालिक निगम एवं जिंदल स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड के सहयोग से बनाया गया है।

सैनिक विश्राम गृह के बनने से भूतपूर्व सैनिकों में काफी खुशी है। लोकार्पण अवसर पर शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के माता-पिता सुभाष त्रिपाठी एवं श्रीमती आशा त्रिपाठी, आयुक्त नगर निगम श्री संबित मिश्रा, जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड से संजीव चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक गुलाब कमरो और डॉ. विनय जायसवाल ने दिया प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी बेरोज़गारी भत्ता योजना के अन्तर्गत एमसीबी ज़िले में मनेंद्रगढ़ विधानसभा अंतर्गत कुल 37 लोगों को बेरोज़गारी भत्ता स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। हितग्राहियों को भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो, मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल और कलेक्टर पीएस ध्रुव ने कलेक्टर कक्ष में बेरोज़गारी भत्ता स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया। विधायक कमरो ने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को बेरोज़गारी भत्ता के बारे में बताना है ताकि शासन की कल्याणकारी योजना का लाभ जन-जन तक पहुँचे। विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने कह कि युवा बेरोज़गारी भत्ता लेकर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ायें और जीवन में सफलता को प्राप्त करें। कलेक्टर श्री ध्रुव ने सभी हितग्राहियों को बेरोज़गारी भत्ता स्वीकृत होने को बधाई दी। उन्होंने सभी को जीवन में आगे बढ़कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहित किया। बेरोज़गारी भत्ता स्वीकृत होने से युवाओं के चेहरे खिल गये। उन्होंने बेरोज़गारी भत्ता प्रदान करने के लिए प्रदेश के मुखिया श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया।

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल 2023 से बेरोजगारी भत्ता योजना लागू हो चुकी है। इस योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हर माह 2500 रूपए का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में किया जाएगा। पंजीयन कराने वाले बेरोजगारों को कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता दी जाएगी। इस योजना के लागू होने के बाद जिले के बेरोजगार युवाओं में बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए खासा उत्साह है।

प्रोफैलेक्सिस इलाज से हीमोफीलिया बीमारी की जटिलताओं से बचाव संभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व हीमोफीलिया दिवस पर आज रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के शिशु रोग विभाग एवं रक्त चिकित्सा (हीमेटोलॉजी) विभाग द्वारा राज्य स्तरीय स्वास्थ्य चिकित्सा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रमुख वक्ता के रूप में संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल के हीमेटोलॉजिस्ट डॉ. विकास गोयल आमंत्रित थे। डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक एवं रेडियोडायग्नोसिस विभाग के प्रमुख डॉ. एस.बी.एस. नेताम ने मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

राज्य स्तरीय स्वास्थ्य चिकित्सा संगोष्ठी के संयोजक एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ओंकार खंडवाल ने संगोष्ठी में बच्चों में होने वाली हीमोफीलिया की अनुवांशिक बीमारी के प्रथम स्तर पर निदान व उचित प्रोटोकॉल द्वारा इसकी गंभीरता एवं जटिलता (कॉम्प्लिकेशन) को कम करने के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रमुख रूप से लड़कों को होने वाली इस दुर्लभ अनुवांशिक बीमारी में रक्त का थक्का जल्दी न बन पाने के कारण छोटे खरोचों में भी लम्बे समय तक रक्तस्त्राव होते रहता है। यह आगे चलकर क्लोटिंग फैक्टर के रक्त आधान के बाद भी हफ्ते व महीने के अंतराल में बार-बार जोड़ों व मांसपेशियों में आंतरिक रक्तस्त्राव, सूजन व दर्द की पुनरावृत समस्याएं होते रहती हैं जो आगे चलकर विकलांगता का रूप भी ले लेती है।

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल के हीमेटोलॉजिस्ट डॉ. विकास गोयल ने बताया कि हमें क्लोटिंग फैक्टर के ट्रांसफ्यूज़न तक ही सीमित नहीं रहना है, बल्कि साथ-साथ बीमारी के जल्दी पहचान व शुरुआती स्तर में ही प्रिवेंटिव केयर के अंतर्गत क्रमागत प्रोफैलेक्सिस ट्रीटमेंट के विभिन्न नवीन विकल्पों के द्वारा इस बीमारी की गंभीरता एवं जटिलता (कॉम्प्लीकेशंस) को रोकना है। हीमोफिलिया जैसी आनुवंशिक बीमारी में प्रिवेंटिव प्रोफाइलैक्टिक फैक्टर 8/9 का ट्रांसफ्यूजन ही स्टैण्डर्ड ऑफकेयर है जिससे हम मरीज को होने वाली अपंगता से बचा सकते हैं। संगोष्ठी के सफल आयोजन में पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के शिशु रोग विभाग के विशेषज्ञों डॉ. वीरेंद्र कुर्रे, डॉ. प्रांकुर पांडे, डॉ. शिल्पा भार्गव और डॉ. धीरज सोलंकी का विशेष योगदान रहा।

भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री बघेल द्वारा की गई घोषणा पर हुआ अमल

चिंतामणि महाराज ने उप पंजीयक कार्यालय राजपुर का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। संसदीय सचिव एवं सामरी विधायक चिंतामणि महाराज ने विकासखण्ड राजपुर में फीता काटकर उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए संसदीय सचिव एवं सामरी विधायक चिंतामणी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान राजपुर में उप पंजीयक कार्यालय प्रारम्भ करने की घोषणा की गई थी, जिसका शुभारम्भ आज किया जा रहा है।

पंजीयन कार्यालय के प्रारम्भ होने से क्षेत्र के 90 गांव के लोगों को भूमि पंजीयन, क्रय-विक्रय, ई-स्टाम्प एवं डिजिटाइजेशन की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होने कहा कि आम जनों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन कार्य को बेहतर और सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है, इसी कड़ी में उप पंजीयक कार्यालय शुभारम्भ किया गया है, इससे राजपुर तहसील के लोगों को भूमि क्रय-विक्रय में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यालय के खुलने से राजपुर तहसील के 90 गांव लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि पहले रजिस्ट्री संबंधित कार्य के लिए वनांचलों में निवासरत गरीब एवं मध्यम वर्गीय लोगों को लगभग 40 से 80 किलोमीटर की दूरी तय कर बलरामपुर आना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी दिक्कतें होती थी। राजपुर में इस कार्यालय के खुल जाने से लोगों के समय और श्रम दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि कार्यालयों के समीप आने से प्रशासन और जनता के बीच की दूरी घट जाती है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ जनता को मिलता है। उन्होंने बताया कि यह कार्यालय सप्ताह में दो दिन बुधवार एवं गुरूवार को संचालित होगी, जहां ऑनलाईन अपॉइंटमेंट लेकर भूमि क्रय-विक्रय संबंधी कार्य कराया जा सकता है। वरिष्ठ जिला पंजीयक श्रीमती उषा साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पंजीयन कार्य के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन द्वारा रजिस्ट्री संबंधित कार्यों को सरल करते हुए ऑनलाईन अपॉइंटमेंट की सुविधा प्रदान की है, जिसके माध्यम से लोग अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाईन अपॉइंटमेंट लेकर निर्धारित तिथि को पंजीयक कार्यालय में उपस्थित होकर ऑनलाईन प्रोसेस के माध्यम से भूमि क्रय-विक्रय का कार्य कर सकते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष जनपद पंचायत राजपुर श्रीमती अनिता बेक, उपाध्यक्ष श्रीमती सुनिता जायसवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष जयगोपाल अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चेतन साहू, तहसीलदार सुरेन्द्र पैकरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विनोद जायसवाल, गणमान्य नागरिक राजेन्द्र तिवारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, अधिकारी/कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित थे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

जीआरपी की महिला टीआई ने की स्टैंड कर्मी से मारपीट, थाने पहुंची शिकायत

बिलासपुर। जीआरपी की महिला निरीक्षक ने साइकिल स्टैंड के कर्मचारी की पिटाई कर दी। उनकी मारपीट का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह स्टैंड कर्मचारी को थप्पड़ मारते दिख रही हैं। स्टैंड संचालक ने इस मामले की तोरवा थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि वह कर्मचारियों के माध्यम से पैसों की मांग करती है।

घटना बिलासपुर रेलवे स्टेशन के सामने की है। जीआरपी में पदस्थ निरीक्षक दया कुर्रे ने बीते रविवार दोपहर साइकिल स्टैंड के कर्मचारी रंजीत कुमार महतो के साथ मारपीट कर दी। बताया जा रहा है कि कर्मचारी रोज की तरह काम में लगा हुआ था, तभी जीआरपी थाने से बाहर आई दया कुर्रे ने बिना किसी बात विवाद किए मारपीट करने लगी। इस दौरान रंजीत अपनी गलती पूछता रहा, लेकिन, उन्होंने एक नहीं सुनी।

इस घटना के बाद रंजीत ने स्टैंड संचालक आशीष बाली को इस घटना की जानकारी दी, जिसके बाद संचालक ने वहां लगे सीसीटीवी फुटेज को दिखवाया। सच्चाई सामने आने के बाद संचालक आशीष अपने कर्मचारी रंजीत को तोरवा थाने लेकर गया और मामले की शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने पीड़ित कर्मचारी का मेडिकल भी कराया है और शिकायत पर जांच की जा रही है।

आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर डीआरजी का जवान जख्मी, डिफ्यूज करते समय हुआ धमाका

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों की लगाई IED की चपेट में आने से डीआरजी का जवान घायल हो गया है। जवान के हाथ, पैर समेत चेहरे और शरीर के अन्य अंगों में चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि, इलाके में पहले नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई थी। जब फायरिंग रुकी तो सर्चिंग की जा रही थी। जवानों ने आईईडी बरामद की। डिफ्यूज करने के दौरान जोर का धमाका हुआ। जिसकी चपेट में आने से जवान जख्मी हो गया। मामला जांगला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि तुंगाली के जंगल में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना पर डीआरजी जवानों को सोमवार को सर्चिंग के लिए निकाला गया था। बताया जा रहा है कि, जवान जब इलाके में पहुंचे तो माओवादियों ने फायर खोल दिया। जवान और माओवादियों के बीच कुछ देर तक मुठभेड़ हुई। हालांकि घने जंगल का सहारा लेकर नक्सली मौके से भाग निकले। फायरिंग रुकने के बाद जवानों ने इलाके की सर्चिंग की।

मामूली बात पर ऑटो चालक को मारा चाकू गंज पुलिस ने बदमाशों का निकाला जुलूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दो दिन पहले हुआ था विवाद, बदमाशों ने अकेले पाकर किया था हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर में बेखौफ बदमाशों ने ऑटो चालक से मारपीट की और उसे चाकू मारकर घायल कर दिया। ऑटो चालक की शिकायत के बाद पुलिस ने आधा दर्जन बदमाशों के खिलाफअपराध दर्ज किया। एफआईआर के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और बदमाशों का जुलूस निकाला। जुलूस निकालने से पहले बदमाशों के सिर के बाल भी उड़ा दिए। यह पूरी कार्रवाई राजधानी रायपुर की गंज थाना पुलिस ने की है।

दरअसल घटना शनिवार की है। नर्मदापारा राधाकृष्णा मंदीर के पास के रहने वाले हनुमान दास मानिक पुरी ने अपनी शिकायत में बताया कि आटो रिक्शा संघ के सचिव संजय शर्मा को आटो चालक मोनू व साथी चाकू मारने की धमकी दे रहे थे। इस बीच हनुमान दास पहुंचा और सभी को समझाया। इसके बाद सभी अपने अपने घर चले गए। रात को लगभग 8:15 बजे हनुमान दास घर जा रहा था तो रास्ते में मोनू व उसके साथी राजपूताना होटल के पास मिले। दिन वाली बात को लेकर विवाद करने लगे। विवाद के दौरान मारपीट करते हुए चाकू व पत्थर से हमला किया। इससे हनुमान दास के बांये पेट ,पीठ , भुजा, कमर की उपर गंभीर चोट आई। उसे इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बदमाशों का निकाला जुलूस

पुलिस ने 307,147,148,149 भादवि, 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी पुलिस से बचने आरोपी यहां वहां छिपते फिर रहे थे। इस बीच पुलिस को आरोपियों का सुराग मिला और इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यही नहीं पुलिस ने इनका जुलूस निकाला और कान पकड़कर उठक बैठक भी कराई। इस दौरान बदमाशों ने ऐसो दोबारा न करने की कसम भी ली।

बिलासपुर में शादीशुदा महिला से गैंग रेप, पति के परिचितों ने किया कांड

एक नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शादीशुदा महिला का अपहरण के बाद रेप का मामला सामने आया है। महिला के घर पर तीनों मुर्गा बनवाने पहुंचे और पति को शराब पिलाई। इसके बाद महिला को बाइक से जंगल की ओर ले गए और गैंगरेप कर छोड़ दिया। इस मामले में महिला की शिकायत पर पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र का है। रविवार रात को तखतपुर से करीब 15 किलोमीटर दूर गांव में 34 वर्षीय महिला के घर ग्राम गुनसरी निवासी रामकुमार बांदे (27), जितेंद्र कुमार मोहले (26) और एक 17 साल का नाबालिग पहुंचे। तीनों महिला के पति के परिचित हैं और मुर्गा बनवाने पहुंचे थे। यहां पहुंचने के बाद सभी बैठकर शराब पी। पति को नशा होने के बाद वह सो गया। इसके बाद इन तीनों की महिला पर नीयत खराब हो गई। इसके बाद नाबालिग के साथ रामकुमार अपनी बाइक पर बिठाकर महिला को जंगल की ओर ले गए। इस दौरान इन दोनों ने जितेन्द्र कुमार को भी बुला लिया। तीनों ने महिला का रेप किया और उसे धमकी देकर सड़क पर छोड़कर चले गए। महिला घर पहुंची और रविवार को इस मामले शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने नाबालिग सहित तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

थाने के पास खड़ी गाड़ियों में आग लगाने वाला गिरफ्तार, पहले भी होटल में लगा चुका है आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के कोतवाली थाने में खड़े दोपहिया वाहनों में आग लगाने वाले शख्स को पुलिस ने पकड़ लिया है। थाना परिसर में आगजनी के बाद वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया तो इसमें एक व्यक्ति नजर आया। जो आसपास के कागज और गत्ते की मदद से जब्त की हुई गाड़ियों की तरफ जा रहा है। फिर कुछ मिनटों बाद गाड़ियों में भयानक आग लग जाती है। जिसका ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है।

आरोपी मंगल कौशिक उर्फ जैकी (50) ने 2017 में गोलबाजार क्षेत्र के तुलसी होटल में भी आग लगाई थी। जिसमें 5 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। उस वक्त गिरफ्तार होने के बाद ये आरोपी गैर इरादतन हत्या के मामले में जमानत पर बाहर आ गया था। लेकिन अब इसने फिर एक बार आगजनी कर दिया।

कोतवाली थाना टीआई के मुताबिक, आरोपी अपने परिवार के साथ लाखे नगर में ही रहता है। वो मानसिक रूप से भी स्वस्थ है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी के चेहरे की पहचान की गई और उसे रास्ते से घूमते हुए पकड़ा गया।

कई वाहन जलकर खाक

बीते 16 अप्रैल की देर रात 3 बजे के करीब कोतवाली थाने के बगल में अचानक आग की तेज लपटें उठने लगी। थाने में जब्त की गई गाड़ियों में भी आग लगी थी। देखते ही देखते कई गाड़ियां जलकर नष्ट हो गईं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब एक से दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था।

दुर्ग के शासकीय गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल में चोरी: प्रैक्टिकल रूम से लाखों के उपकरण पार

छुट्टी के तीन दिन बाद खुला स्कूल तब हुई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित तुलाराम आर्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रयोग शाला का पूरा सामान चोरों ने चोरी कर लिया। तीन दिन की छुट्टी के बाद जब स्कूल खुला तो वहां के स्टॉफ ने इसकी सूचना प्रिंसिपल को दी। इसके बाद प्रिंसिपल ने मोहन नगर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहन नगर थाने से मिली जानकारी के मुताबिक आर्य नगर में संचालित तुलाराम आर्य कन्या हायर सेकंडरी स्कूल में चोरी की शिकायत दर्ज हुई है। स्कूल के स्टाफ ने बताया कि चोर स्कूल की विज्ञान प्रयोगशाला में घुसे थे। वहां से कई महंगे उपकरण चोरी कर ले गए। स्कूल की प्राचार्य लीना शिवहरे ने बताया कि चोर स्कूल की खिड़की तो तोड़कर अंदर घुसे थे। इसके बाद वो लोग प्रयोगशाला पहुंचे और वहां रखे सामान को चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की कीमत 1 लाख रुपए से अधिक की बताई जा रही है। मोहन नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के चलते छुट्टी थी। दूसरे दिन शनिवार था और फिर रविवार को अवकाश था। लगातार छुट्टी का फायदा उठाकर आरोपियों ने पहले रेकी की। उन्होंने स्कूल की उस खिड़की को निशाना बनाया, जहां से आसानी से घुसा जा सकता था। इसके बाद देर रात स्कूल में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

सीजी में भाजपा नेता की हत्या सड़क किनारे पड़ा मिला शव

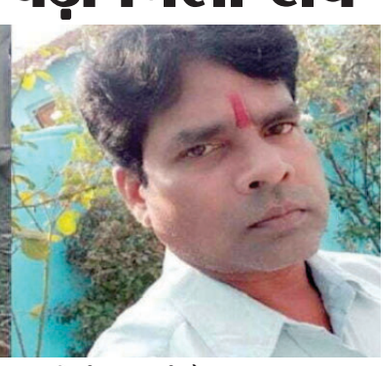

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला में भाजपा नेता की हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया। सोमवार सुबह राहगीरों ने शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान चिल्फी निवासी शत्रुघन साहू (45) के रूप में हुई। शत्रुघन साहू यहां गोंडखाम्ही भाजपा मंडल के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का महामंत्री था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार शत्रुघन साहू रविवार को घर से निकला तो वापस नहीं लौटा। उसके नहीं लौटने पर परिवार वाले भी उसकी तलाश कर रहे थे। इधर सोमवार को सुबह उसका शव ग्राम गोल्हापारा में रोड किनारे मिलने की सूचना मिली। बताया जा रहा है शत्रुघन साहू का पारिवारिक विवाद चल रहा था और उसकी कई लोगों से ठीक से जमती नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि शत्रुघन साहू की किसी ने हत्या कर शव को फेंका है। मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 05.04.2023

(ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
प्रथम आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक **25.04.2023** तक आमंत्रित की जाती है:–

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
01/130300	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले पुल पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य।	46.00
02/130301	जिला–दुर्ग वि.खं पाटन के बठेना में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	68.39
05/130305	जिला–राजनांदगांव के टेडेसरा में आई.टी.आई. कैंपस बी.पी.ओ. केन्द्र भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	186.70
06/130306	ग्राम लालबहादुर नगर वि.खं डोंगरगढ़ में बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन (भू–तल) का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	119.38
07/130307	ग्राम लालबहादुर नगर वि.खं डोंगरगढ़ में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन (प्रथम तल) का निर्माण, रिनोवेशन, सेनेटरी कार्य विद्युतीकरण सहित।	122.35
08/130308	छुईखदान–दनिया मार्ग पर उदयपुर पहुँच मार्ग लंबाई 0.66 कि.मी. निर्माण कार्य	151.37

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं. 01 एवं 02 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं. 05 लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं. 06, 07, एवं 08 लोक निर्माण विभाग खैरागढ संभाग खैरागढ से संबंधित है ।।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल, दुर्ग
दूरभाष– 0788–2210876

G-00267/5

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

दुर्ग, दिनांक 10.04.2023

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर दिनांक 25.04.2023 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क./सि. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	निविदा आमंत्रण
09/130373	परियोजना प्रबंधक (ए.डी.बी. प्रोजेक्ट) छ.ग. राज्य सड़क परियोजना लोक निर्माण विभाग दुर्ग कार्यालय हेतु मीटिंग हॉल का निर्माण कार्य।	20.07	द्वितीय
10/130375	जिला-कबीरधाम के ग्राम अचानकपुर में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	67.21	द्वितीय
11/130376	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का संधारण एवं मरम्मत कार्य ।	45.05	द्वितीय
12/130377	जिला-कबीरधाम के विखं स./ लोहारा ग्राम मोतिमपुर में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	69.44	द्वितीय
13/130379	सोढ़ा-मोहगाव मार्ग कि.मी 1 से 4 = 4.00 कि.मी., सोढ़ा-मोहगांव मार्ग कि.मी 5 से 6/6 = 1.60 कि.मी., खड़ौदा से कुसुमघटा मार्ग कि.मी. 1 से 4/4 = 3.40 कि.मी. कुल लंबाई = 9.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	131.06	द्वितीय
14/130380	कवर्धा शहर मार्ग से सिग्नल चौक कि.मी. 1.00, कवर्धा शहर मार्ग सिग्नल चौक से कलेक्टर ऑफिस 1.02 कि.मी., कवर्धा शहर मार्ग एस.डी.एम. ऑफिस से लालपुर चौक तक कि.मी. 1.20 में डामर नवीनीकरण कार्य।	159.08	द्वितीय
15/130381	कवर्धा बायपास नया कि.मी. 3,4,5 / 2 = 2.044 कि.मी सहसपुर सरोधा कि. मी. 1/7 से 4 = 3.30 कि.मी., सहसपुर सरोधा कि.मी. 5 से 7 = 3.00 कि.मी., रणवीरपुर विरेन्द्रनगर मार्ग लं.3.00 कि.मी. कुल लंबाई 11.344 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	161.66	तृतीय
16/130383	कवर्धा-भोरमदेव-पालक मार्ग कि.मी. 17/2 से 22/2 = 3.20 कि.मी.,कवर्धा-भोरमदेव-पालक मार्ग कि.मी. 22/4 से 25/6 = 3.00 कि.मी. कुल लंबाई 6.20 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	104.50	तृतीय

टीप -

1. एन.आई.टी. क्र. 09 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है, एन.आई.टी.क्र. 10,11,12,13,14,15 एवं 16 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जाये।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष 0788-2210876

G-00268/8

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकिज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

निगम क्षेत्र के 62 उद्योगों को संपत्ति कर में 100 फीसदी छूट, बहुमत से प्रस्ताव पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र के 62 सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को संपत्तिकर में 100 फीसदी छूट दी जाएगी। इसका प्रस्ताव सोमवार को विशेष सामान्य सभा की बैठक में पास किया गया। इसे अब नगरीय प्रशासन विभाग को भेजा जाएगा। इस प्रस्ताव को पहले महापौर परिषद की बैठक में पास किया गया था।

उद्योगपतियों ने मान. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से संपत्तिकर में छूट की मांग की थी। व्यापारियों का कहना था कि उद्योग विभाग और नगरीय निकाय को अलग-अलग टैक्स देने की वजह से टैक्स का दोहरा बोझ पड़ रहा है। इसके बाद मान. मुख्यमंत्री के घोषणा अनुरूप शासन ने निर्देश जारी किया कि निकाय प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजे।

इसी परिप्रेक्ष्य में शासन ने दुर्ग नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 137 के तहत कार्यवाही करने और धारा 163के अनुसार निगम को अपना पक्ष रखते हुए अभिमत और प्रस्ताव मंगाया गया है। इस संदर्भ में विशेष सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 3 अप्रैल को एक पत्र जारी किया, जो 5 अप्रैल को निकायों और उद्योगपतियों को मिला। इसमें संपत्ति कर में छूट देने के प्रावधान को नियमानुसार नगरीय निकायों के माध्यम से लाने को कहा गया था। इसी संदर्भ में आगे की प्रक्रियाएं शुरू की गई।मूलभूत सुविधाएं हम दे रहे हैं,अत 100 फीसदी ही छूट दे पाना संभव होगा। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि नगर में सी एस आई डी सी की भूमि में संचालित 62 सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग संचालित है। ऐसे में उद्योगपतियों को संपत्तिकर में 100 फीसदी छूट दिए जाने का प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया।बैठक में मौजूद सभापति राजेश यादव, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,राजस्व विभाग प्रभारी ऋषभ जैन,अब्दुल गनी,संजय कोहले,दीपक साहू,हमीद खोखर, जयश्री जोशी,भोला महोबिया,मनदीप सिंह भाटिया,अनूप चंदानिया,सत्यवती वर्मा,शंकर ठाकुर,नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,उपायुक्त मोहेंद्र साहू सहित पार्षद एवं अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

खास - खबर

इंदिरा मार्केट क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक, लोगों को भुगतना पड़ रहा खामियाजा

दुर्ग। शहर में आवारा पशुओं का आतंक बढ़ गया है। खासकर इंदिरा मार्केट क्षेत्र में आवारा पशुओं को आपस में युद्ध करते हुए अक्सर देखा जा सकता है। जिससे लोगों के चोटिल होने का हमेशा खतरा बना रहता है। पशुओं के युद्ध होने से वाहनों में नुकसान होना आम बात बन गई है। पशुओं के आपसी युद्ध से इंदिरा मार्केट क्षेत्र में एक दिन पहले लोग दहशत में आ गए थे। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना नगर निगम को दी। नगर निगम के अमले ने पशुओं को नियंत्रित कर उन्हें भीड़भाड़ वाले इलाके से दूर छोड़ा। तब जाकर इंदिरा मार्केट क्षेत्र के व्यापारियों व लोगों ने राहत की सांसे ली। नगर निगम के इस कार्यशैली को प्रशंसा मिल रही है। आवारा पशुओं के आतंक के चलते लोगों को संभावित दुर्घटना से बचाने नगर निगम को हमेशा आवारा पशुओंके विरुद्ध अभियान चलाने की आवश्यकता है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस 2 ने बनाया नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस 2 (स्टील मेल्टिंग शॉप 2) में कास्टर 6 द्वारा एक टंडिश में 60 हीट्स की कास्टिंग कर एक और कीर्तिमान स्थापित किया। कास्टिंग 15 अप्रैल 2023 को शाम 6.05 बजे शुरू हुई और 17 अप्रैल 2023 को सुबह 10.26 बजे समाप्त हुई। कुल कास्टिंग अवधि 40 घंटे 21 मिनट रही। इस शानदार उपलब्धि के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस 2) एस के घोषाल और प्लांट के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कास्टर 6 टीम को बधाई दी। सिंगल टंडिश में 60 हीट्स की यह रिकॉर्ड संख्या, टंडिश में कुछ मॉडीफिक्रेषनों जैसे एसईएन, इम्पैक्ट पैड, स्लाइड गेट प्लेट्स और टंडिश लाइनिंग से हासिल की गई। यह उपलब्धि तकनीकी मानदंडों और उत्कृष्ट परिचालन का पूर्णत: पालन से हासिल की गई थी। जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 15 जनवरी 2023 को 52 हीट्स दर्ज किया गया था। प्लेट मिल को हॉट चार्जिंग हीट (32) की उच्चतम संख्या भी सीधे ही प्राप्त हुई, जिससे प्लेट मिल को अपनी रोलिंग दर बढ़ाने में मदद मिली।

खुरसुल व एचडब्ल्यूसी बोरई का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग डॉ. जे.पी. मेश्राम द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नगपुरा एवं खुरसुल तथा एच.डब्ल्यू.सी. बोरई का आज आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें सभी संस्थाओं में खामियों पाई गई, जिसको तत्काल व्यवस्थित करने हेतु संस्था प्रभारी एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी तथा विकास कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया गया। सभी अस्पताल कर्मचारियों को ड्रेस कोड एवं आई.डी.एवं बैच लगाना अनिवार्य होगा। अस्पताल को साफ-सुथरा रखना सभी स्टाफकी जवाबदारी होगी एवं संस्था प्रभारी द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाना अनिवार्य होगा जिसका उल्लेख अस्पताल व्यवस्थापन पंजी में रखना अनिवार्य है। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एस.ओ.पी. का डिस्प्ले करना अनिवार्य किया गया है। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना है, एवं 102 से मेपिंग करते हुये गर्भवती मरीजों एवं हाईरिस्क के मरीजों को समय पूर्व रिफर करना, नजदीक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भेजना करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं एच.डब्ल्यू.सी. के गाईडलाइन के अनुसार लैब की जाँच एवं मेडिसिन का रख रखाव, बी.एम.डब्ल्यू के गाईडलाइन के अधार पर कचरे का निपटारा, एनीमिया मुक्त भारत के अन्तर्गत एनीमिया के मरीजों को शत-प्रतिशत लगाना एवं एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक इमरजेंसी बैंड व्यवस्था करना, भर्ती मरीजों का आयुष्मान कार्ड से शत-प्रतिशत उसी दिन ब्लाकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र अनुरूप मुख्यालय में रह कर संस्थागत प्रसव कराना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

विधायक देवेंद्र यादव ने की वार्ड 48 के लोगों से भेंट मुलाकात

एक साथ दी डोमशेड, गार्डन, बैडमिंटन कोर्ट की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के वार्ड 48 खुर्सीपार के लोगों को भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने बड़ी सौगात दी है। वार्डवासियों की मांग पर विधायक देवेन्द्र यादव ने एक साथ तीन बड़े विकास कार्य की सौगात दी। वार्ड 48 में भव्य सर्व सुविधा युक्त डोमशेड का निर्माण किया जाएगा। साथ ही यहां पर लोगों के सैर करने के लिए गार्डन बनाएं जाएंगे और खिलाड़ियों के लिए बैडमिंटन कोर्ट का भी निर्माण किया जाएगा।

गौरतलब है कि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार वार्डदौरा कर भेंट मुलाकात करते रहते है। इसी कड़ी में जब वे खुर्सीपार गए थे, तब लोगों ने उन्हें वार्ड के विकास कार्यों की जानकारी देने के साथ ही इन विकास कार्यों की भी मांग की थी।

जिसके तहत विधायक यादव ने अधिकारियों को निर्देशित करके स्टीमेंट तैयार कराया और शासन से सभी विकास कार्यों को स्वीकृत भी कराया। जिसका आज भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेन्द्र यादव उपस्थित रहे। जिन्होंने वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के साथ मिलकर पूजा अर्चना की और कुदाली चलाकर भूमिपूजन किया।

इस दौरान विधायक यादव ने वार्डवासियों से कहा कि हमने जो भी वादा आप लोगों से किया। उसे हमने समय पर पूरा किया है। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने सभी वादे निभाए है। पट्टा का लाभ, मालिकाना हक, हर परिवार का राशनकार्ड, महिलाओं के लिए दाई दीदी क्लिनिक, मोबाइल मेडिकल युनिट की शुरूआत की है। जहां सब को फ्री में इलाज की सुविधा दी जा रही है और फ्री में दवाइयां भी दी जाती है। इस प्रकार हमने यहां लोगों की सुविधाओं के लिए बैंडमिंटन कोर्ट, गार्डन, डोमशेड, वार्ड में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था के साथ अन्य जो भी जरूरी काम है। वह सब किए जाएंगे। आज भूमिपूजन किया गया है। अब जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा और लोगों को इन सभी सौगातों का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर उपस्थित वार्ड के नागरिकों ने विधायक यादव का दिल से आभार जताया और कहा कि आप के प्रयास से लगातार खुर्सीपार छावनी क्षेत्र का विकास हो रहा है। इन क्षेत्रों में इतना विकास किया गया है कि पूरे क्षेत्र की तस्वीर ही बदल गई है। इन विकास कार्यों के लिए आप का दिल से आभार जताते है। भेंटमुलाकात के दौरान विधायक देवेन्द्र ने देखा कि वार्ड के मितानिन पद्मा तांडी के घर की दीवारों पर बीपी और अन्य बीमारियों की भी जानकारी थी, इसके विधायक ने मितानित की तारीफभी की।

भिलाई निगम द्वारा नहर, नालियों की सफाई के बाद निस्तारी तालाबों को भरने का काम जारी

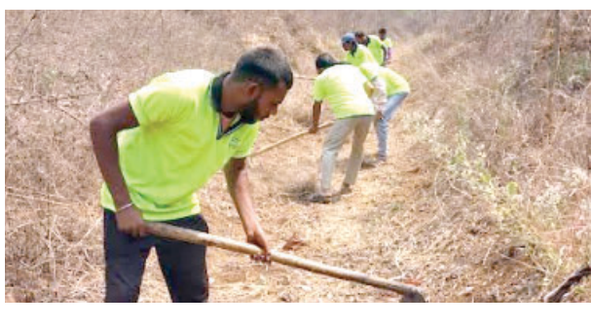

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत निस्तारी तालाबों को भरने का काम किया जा रहा है। भिलाई निगम के स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नहर और नालियों की पूर्व में सफाई की गई है। निस्तारी तालाबों को भरने के लिए विगत 2 महीने से नहर और नालियों की सफाई का काम प्रारंभ हो गया था।

प्रत्येक ग्रीष्म ऋतु में निस्तारी वाले तालाबों को भरने का काम किया जाता है इस वर्ष भी इसको लेकर तैयारियां प्रारंभिक तौर पर ही कर ली गई थी। बड़े-बड़े नालों को जहां से निस्तारी वाले तालाबों को भरा जाता है, इसके लिए विशेष सफाई अभियान के तहत स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों ने सघन सफाई की है तथा आसपास के झाड़ियों को भी हटाया है। स्वच्छता कर्मचारियों के अलावा झाड़ियों को हटाने के लिए जेसीबी की मदद ली गई । निस्तारी तालाबों की बात करें तो ज्यादातर तालाब नेहरू नगर एवं वैशाली नगर जोन क्षेत्र में है। जहां लोग निस्तारी के लिए तालाबों के पानी का उपयोग करते हैं। समस्त जोन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि नेहरू नगर जोन क्षेत्र में गुरु नानक सरोवर, स्मृति नगर तालाब, जुनवानी व आलाबंद तालाब खमरिया, वैशाली नगर जोन क्षेत्र में घासीदास नगर स्थित तालाब, नकटा तालाब और दौर तालाब, शिवाजी नगर जोन क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मण नगर तालाब तथा हुडको स्थित हुडको तालाब, राधा कृष्ण मंदिर स्थित तालाब आदि को निस्तारी तालाबों के रूप में उपयोग किया जाता है। भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत निस्तारी वाले तालाबों में पानी भरे जाने के लिए नाला एवं बड़े नालो की सफाई का कार्य किया जा चुका है और अब छोड़े गए पानी से तालाबों को भरा जा रहा है।

जनदर्शन में राशन दुकानों व स्कूलों के समय में परिवर्तन बच्चों व बुजुर्गो को गर्मी से बचाव आवश्यक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छग में भी गर्मी ने अपनी तेवर दिखाने शुरु कर दिए है दुर्ग शहर सहित कई इलाको में तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है। गर्मी ने अभी से ही अपने इरादे जता दिए है। मौसम विभाग ने सलाह दिए है कि आने वाले समय में गर्मी और बढ़ेगी। विधायक अरुण वोरा के वार्ड दौरे के दरम्यान जनता द्वारा शिकायत की गई कि बच्चो के स्कूलो व राशन दुकान के समय में परिवर्तन किया जाए।

जिससे बढ़ते तापमान को देखते हुए बच्चे बस व अन्य साधनो से स्कूल पहुंचने एवं स्कूल में बिजली से चलने वाले पंखा-कूलर भी काम करना बंद कर दिया है। जिससे बच्चो के स्वास्थ्य में प्रतिकूल असर पड़ रहा है एवं राशन दुकानों में महिलाओं व बुजुर्गो को राशन तौलने वाली मशीनों का सर्वर डाउन होने से राशन लेने के लिए लंबे समय तक इतंजार करना पड़ रहा है। राशन दुकानों में पीने के पानी व बैठने की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण चक्कर एवं घबराहट जैसे समस्या से जूझना पड़ रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर में जनदर्शन के दौरान पहुंचकर गर्मी से राहत दिलवाने विधायक वोरा ने कलेक्टर से चर्चा कर स्कूलों एवं राशन दुकानों के समय में तत्काल परिवर्तन के लिए कहा। कलेक्टर ने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द समाधान के लिए निर्देशित किया।

विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल एवं निगमायुक्त रोहित व्यास ने स्थल का किया निरीक्षण

अत्याधुनिक हार्डवेयर एंड सॉफ्टवेयर सुविधा सहित भिलाई में तैयार होगा बीपीओ, युवाओं को मिलेगा रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत युवाओं को रोजगार के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ तैयार होगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के द्वारा की गई है। जिस पर तत्परता से अमल किया जा रहा है।

इसके साथ ही गारमेंट फैक्ट्री तैयार किया जाएगा, इसके तैयार हो जाने से भी अधिकतर महिलाओं को रोजगार मिल पाएगा तथा बीपीओ के माध्यम से युवाओं को भी रोजगार से जोड़ा जाएगा। जिसके चलते 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इन सभी महत्वपूर्ण घोषणाओं पर शीघ्रता से काम करने के लिए विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने खुर्सीपार क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस मौके पर महापौर परिषद के सदस्य एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बता दे कि गारमेंट फैक्ट्री बनाने के लिए स्थल की तैयारी प्रारंभ हो चुकी है, बीपीओ के लिए स्थल लगभग तय हो चुका है। नवीन महाविद्यालय की नई बिल्डिंग निर्माण के लिए भी आज स्थल का निरीक्षण किया गया। भिलाई के खिलाड़ियों को सुविधा देने के लिए शहर में शानदार स्पोर्ट्स कांप्लेक्स एवं स्विमिंग पूल बनाने की तैयारी की जा रही है। संयुक्त निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त पूजा पिल्ले, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, लोक निर्माण विभाग के उप अभियंता तिवारी आदि मौजूद रहे।

अंतिम छोर तक विकास रफ्तार से दौड़ रही है: अरूण वोरा

वार्ड 32 में विधायक व महापौर ने किया 9.50 लाख सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा वार्ड क्रमांक 32 में गांधी चौक स्थित मनमोहन स्वीट्स दुकान से लेकर कंकालिन मंदिर तक सड़क का 9 लाख 50 हज़ार रुपए की लागत से सड़क का निर्माण किया जाना है। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने इसका भूमिपूजन पश्चात डामरीकरण होगा।विधायक अरुण वोरा ने कहा कि विकास कार्यों से क्षेत्र में जलभराव और जर्जर सड़कों की समस्या से निजात मिलेगी।

उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार को समय सीमा पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरुण वोरा ने कहा कि सड़कों के निर्माण कार्य के लिए क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार मांग की जा रही थी। क्षेत्रवासियों की मांग पर भूमिपूजन किया गया। राज्य शासन द्वारा शहर के विभिन्न सड़कों के निर्माण के लिए शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।डामरीकरण के लिए क्षेत्रवासियों ने विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सभापति राजेश यादव,अलताफ अहमद, संजय कोहले,भोला महोविया,मनदीप सिंह भाटिया,शंकर ठाकुर,पार्षद बिजेंद्र भारद्वाज,एल्डरमेन राजेश यादव,श्रीमती रत्ना नारमदेव,अजय मिश्रा कार्यपालन अभियंता शंकर दयाल शर्मा, उपअभियंता करण यादव आदि उपस्थिति।भूमिपूजन के दौरान विधायक अरुण वोरा ने कहा कि क्षेत्र वासियो द्वारा लगातार मांग की जा रही थी। क्षेत्र वासियो के मांगो पर आज सड़क डामरीकरण कार्य प्रारंभ शीघ्र कर दिया जाएगा।अंतिम छोर तक विकास रफ्तार से दौड़ रही है।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा जर्जर हो चुकी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने से लोगो को राहत मिलेगी।वही इससे उन्हें आने जाने में सुविधा होगी और समय की बजत होगी। लोगो को बरसात में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी। विधायक व महापौर ने कहा मनोहर स्वीट्स होटल से लेकर कंकालिन मंदिर बाहर के मुख्य मार्ग पर गड्ढे हैं जिससे आवागमन में आम जनता को एवं गाड़ियों को आने-जाने बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता की परेशानियों को देखते हुए सड़क को दुरुस्त करते हुए डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया।उन्होंने ये भी कहा कि सड़क डामरीकरण कार्य गुणवक्ता पूर्ण ही,लापरवाही न बरतें।

मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम (फाईट द बाइट) के अंतर्गत दुर्ग जिले के समस्त 11 नगरीय निकायों के समस्त कॉलोनियों में 1 से 15 अप्रैल 2023 तक कॉलोनी एशोसिएशन के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके बाद 16 से 22 अप्रैल 2023 तक सर्वेक्षण कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

जिसमे कॉलोनी अध्यक्ष के साथ समन्वय कर नगर-निगम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मितानिन व एम.टी. द्वारा सर्वेक्षण कार्य किया जायेगा। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलग-अलग कार्यों के लिए कुल 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। जिसमे कॉलोनी के अंदर तालाब व स्वीमिंग पुल में कचरा, जलकुंभी, झाड़ी इत्यादि की सफाई हेतु 10 अंक, कॉलोनी के अंदर घर के सामने नालियों की साफ-सफाई हेतु 10 अंक, सूखा व गीला कचरा अलग-अलग उठाने हेतु 10 अंक, कॉलोनी के अंदर घर-घर सर्वे कर कूलर, फ्रिज, गमले व बाथरूम के खुले बर्तनों में पाए जाने वाले लार्वा की सफाई किए जाने पर 18 अंक, कंस्ट्रक्शन साइट, पुराने भवन, स्कूल एवं झाड़ी वाले क्षेत्रों में जमे हुए पानी की निकासी व्यवस्था के लिए 12 अंक, कॉलोनी की सब्जी मंडी, मटन मार्केट, मछली मार्केट व सब्जी मार्केट में कचरा उठाव हेतु 20 अंक, कॉलोनी के खटाल एवं मवेशी रखने की जगह को सूखा रखने एवं कचरा डिस्पोज करने हेतु 10 अंक तथा गार्डन एवं झाड़ियों की सफाई व पानी भराव क्षेत्र की व्यवस्था हेतु 10 अंक निर्धारित किया गया है। निर्धारित किये गये अंको के आधार पर समीक्षा उपरांत अधिकतम अंक पाने वाले कॉलोनी को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार वितरण किया जाएगा। जिसमे 2-3 कॉलोनी वासियों का समान अंक आने पर लॉटरी सिस्टम के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान निर्धारित किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950